डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 162 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 22 मई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

बिहार तक पहुंची एमपी के मंत्री 'विजय शाह' मामले की आंच

पटना (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में बीजेपी के वरिष्ठ नेता और राज्य सरकार में मंत्री कुंवर विजय शाह एक विवादित बयान को लेकर गंभीर विवादों में घिर गए हैं। शाह ने एक कथित बयान में भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को 'आतंकियों की बहन' बताया, जिसके बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। अब एनडीए में बीजेपी के सहयोगी दल भी कार्रवाई की मांग करने लगे हैं। चिराग पासवान के बाद अब जेडीयू ने विजय शाह का इस्तीफा मांग कर बीजेपी की टेंशन बढ़ा दी है। मंत्री विजय शाह के बयान से नाराज होकर एनडीए में शामिल सहयोगी दलों ने इसे 'असंवेदनशील' और 'अस्वीकार्य' बताया है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। एक निजी चैनल के कार्यक्रम में शामिल हुए जेडीयू प्रवक्ता डॉ जितेंद्र कुमार ने कहा कि हमारी पार्टी दूसरी पार्टियों से अलग

चिराग के बाद जेडीयू ने बढ़ाया सियासी तनाव,उहापोह में बीजेपी नेतृत्व

है। हमारे नेता ने कभी भी क्राइम, करप्शन और कम्युनिजम पर कभी कोई समझौता नहीं है। राजनीति में नैतिकता, सदाचार और मर्यादा का इकबाल बुलंद रहे। इसके लिए ऐसे बयानवीर नेताओं का इस्तीफा होना चाहिए। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी विजय शाह के बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, अगर शाह मेरी पार्टी में होते, तो मैं उन्हें आजीवन निष्कासित कर देता। चिराग ने यह भी कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह करेंगे कि

शाह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

शाह के बयान पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने भी विजय शाह को फटकार लगाई और भविष्य में जिम्मेदारी से बयान देने की सख्त हिदायत दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर जांच शुरू कर दी गई है।

अखिलेश को दूर भगाना है, ब्राह्मणों का सम्मान बचाना है

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की सियासत इन दिनों डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को लेकर सोशल मीडिया पर हुई एक आपत्तिजनक टिप्पणी के चलते गर्मा गई है। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब समाजवादी पार्टी (सपा)

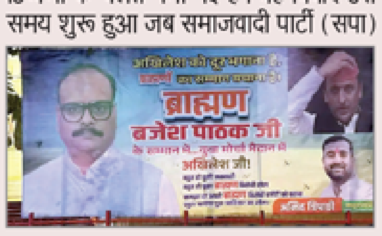

से जुड़े एक सोशल मीडिया हैंडल ने ब्रजेश पाठक के डीएनए को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। सोशल मीडिया पर यह टिप्पणी सामने आते ही भाजपा ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को निशाने पर लेना शुरू कर दिया। भाजपा नेताओं का आरोप है कि यह टिप्पणी ब्राह्मण समाज का अपमान है और समाजवादी पार्टी जानबूझकर जातिवाद को बढ़ावा दे रही है।

पाकिस्तान के सिंध में पानी को लेकर भारी हिंसा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पानी को लेकर जबरदस्त हिंसा की गई है। पानी को लेकर कई हफ्तों से चल रहा ये बवाल अब हिंसक हो चुका है। डॉन के मुताबिक मंगलवार को सिंध प्रांत के गृह मंत्री जिया लंजर के गृह जिले नौशहरो फिरोज के मोरो शहर में

हुई झड़पों के दौरान एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई। इसके अलावा सिंध प्रांत के गृहमंत्री के घर को प्रदर्शनाकियों ने जला दिया है। डॉन के कहा है कि भीषण हिंसा में एक डीएसपी समेत छह अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गये हैं। इसके अलावा दर्जनों अन्य लोगों के भी घायल होने की रिपोर्ट डॉन ने दी अपनी रिपोर्ट में दी है। डॉन ने कहा है कि रास्तों पर कई गाड़ियों को जला दिया गया है और अराजकता का माहौल देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को हिंसा तब भड़की जब पुलिस ने सिंधु नदी पर निर्माण के खिलाफ लाठी भांजनी शुरू कर दी।

प्रधानमंत्री मोदी का गुजरात में होगा सबसे बड़ा स्वागत

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय सेना के सटीक और सफल ऑपरेशन सिंदूर के बाद जहां देश के सांसद विदेश में पाकिस्तान के झूठ की पोल खोलेंगे तो वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुजरात दौरे में अभूतपूर्व स्वागत होगा।

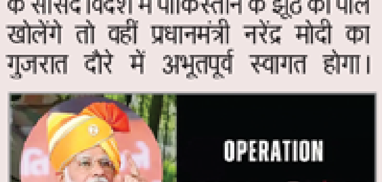

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 26 मई को वडोदरा पहुंचने पर 25 हजार महिलाएं सिंदूर की सलामती के लिए अभिनंदन करेंगी। पीएम मोदी वडोदरा एयरपोर्ट पास ही एक रोड शो में महिलाओं के अभिनंदन को स्वीकार करेंगे। पीएम का यह रोड शो वडोदरा एयरपोर्ट पास होगा। इसके बाद वह दाहोद के लिए रवाना हो जाएंगे। पीएम मोदी अभी ऑपरेशन सिंदूर को लेकर दो बार ही बोले हैं। उन्होंने बुद्ध पूर्णिमा पर राष्ट्र को संबोधित किया था।

वक्फ का इस्लाम में जिक्र

... लेकिन इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को लगातार दूसरे दिन सुनवाई हो रही है। केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि सरकारी जमीन पर किसी का कोई हक नहीं हो सकता, चाहे वो 'वक्फ बाय यूजर' के आधार पर ही क्यों न हो। एसजी मेहता के मुताबिक अगर कोई जमीन सरकारी है तो सरकार को पूरा अधिकार है कि वह उसे वापस ले ले, भले ही उसे वक्फ घोषित कर दिया गया हो। किसी भी प्रभावित पक्ष ने अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाया। किसी ने भी ये नहीं कहा कि संसद के पास इस कानून को पारित करने का अधिकार नहीं है। सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया, वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, इस पर कोई विवाद नहीं है, लेकिन वक्फ इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। जब तक यह साबित न हो जाए, बाकी तर्क विफल हो जाते हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, जो

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने रखा अपना पक्ष, दूसरे दिन भी सुनवाई

केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वक्फ को मौलिक अधिकार नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि वक्फ इस्लाम का एक जरूरी हिस्सा है, तब तक इस पर कोई दावा नहीं किया जा सकता। मेहता ने कहा,वक्फ एक इस्लामिक अवधारणा है, इस पर कोई विवाद नहीं है।

- **सॉलिसिटर जनरल की दलील- हमने बिना सोचे-समझे बिल नहीं बनाया-** सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है, जहां मंत्रालय ने एक बिल बनाया और बिना सोच-विचार के वोटिंग कर दी गई हो। कुछ याचिकाकर्ता पूरे मुस्लिम समुदाय की ओर से नहीं बोल सकते। आपके पास जो याचिकाएं आई हैं, वे ऐसे लोगों ने दायर की हैं जो सीधे इस कानून से प्रभावित नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि किसी ने यह नहीं कहा कि संसद को यह कानून बनाने का अधिकार नहीं था। संयुक्त संसदीय समिति की 96 बैठकें हुई और हमें 97 लाख लोगों से सुझाव मिले, जिस पर बहुत सोच-समझकर काम किया गया।

ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर को सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। विवादों में घिरी ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर को सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अग्रिम जमानत दी। जस्टिस बी वी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने पूजा को जांच में सहयोग करने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा- पूजा ने कौन सा बड़ा अपराध कर दिया। वह कोई ड्रग माफिया या आतंकवादी नहीं है। उन पर हत्या (धारा 302) का आरोप नहीं है। कोर्ट ने आगे कहा- आपके पास कोई सिस्टम या सॉफ्टवेयर होना चाहिए, जिससे इस तरह की जांच समय पर हो। उसने सब कुछ खो दिया है,

अब कहीं नौकरी नहीं मिलेगी। जस्टिस नागरत्ना ने कहा- इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने पहले ही जमानत देनी चाहिए थी। दिल्ली पुलिस के वकील ने जमानत का विरोध किया। कहा कि पूजा जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं। पूजा खेडकर पर संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा पास करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग और दिव्यांगता कोटे से आरक्षण लेने के लिए धोखाधड़ी करने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट का 23 दिसंबर 2024 का आदेश पलट दिया था। पूजा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा था कि हाईकोर्ट के आदेश में कुछ ऐसी टिप्पणी हैं जो पूजा के खिलाफ प्रयोग हो सकती हैं।

छत्तीसगढ़ में फिर नक्सलियों की आ गई शामत, 27 हुए ढेर

डेढ़ करोड़ का ईनामी नक्सली बसवा राजू मारा गया

20 शव और कई हथियार बरामद,1 जवान भी शहीद

जगदलपुर (एजेंसी)। नारायणपुर जिले में अबूझमाड़ के जंगल में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को मार गिराया है। सभी 27 शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए नक्सलियों में 1.5 करोड़ का इनामी बसवा राजू भी शामिल है। वहीं फायरिंग में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) का एक जवान शहीद हो गया है। दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बीजापुर जिले की सरहद पर मुठभेड़ चल रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के बोटेर में नक्सलियों का पोलित ब्यूरो सदस्य और नक्सल संगठन का महासचिव बसवा राजू मौजूद है। इसी आधार पर फोर्स को रवाना किया गया था। अबूझमाड़ के बोटेर पहुंचते ही जवानों पर नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। सुरक्षाबलों के इस ऑपरेशन को प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने बड़ी कामयाबी बताया है। पुलिस ने 7 दिन पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कर्रेगुट्टा ऑपरेशन की जानकारी दी थी। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर स्थित कर्रेगुट्टा के पहाड़ों पर सुरक्षाबलों ने 24 दिनों तक चले ऑपरेशन में 31 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें 16 महिला और 15 पुरुष नक्सली शामिल हैं। इस भीषण गोलीबारी में जवानों ने एक कुख्यात माओवादी को भी मार गिराया है, जिसके ऊपर 1.5 करोड़ रुपये का ईनाम था।

ईडी बोली-सोनिया-राहुल के खिलाफ केस बनता है

- कोर्ट में कहा-अपराध की आय से 142 करोड़ कमाए
- नेशनल हेराल्ड केस की अगली सुनवाई अब जुलाई में

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़े नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आज दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में चौथी सुनवाई हुई। ईडी ने कोर्ट को बताया कि, पहली नजर में सोनिया और राहुल के खिलाफ केस बनता है। दोनों ने अपराध की आय से 142 करोड़ रुपए कमाए हैं। ईडी की तरफ से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आरोपी तब तक अपराध की आय का आनंद ले रहे थे जब तक कि प्रवर्तन निदेशालय ने नवंबर 2023 में नेशनल हेराल्ड से जुड़ी 751.9 करोड़ रुपए की संपत्ति

जब्त नहीं कर ली। ईडी की तरफ से दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि, इस मामले में 2 से 8 जुलाई तक रोजाना सुनवाई होगी। नेशनल हेराल्ड केस 2012 से चल रहा है, जब भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ शिकायत की थी। यह भी कहा गया कि अपराध की आय उत्पन्न करने के लिए आपराधिक गतिविधियां की गईं, जिसकी वजह से मनी लॉन्ड्रिंग का अपराध बनता है। एसवी राजू और ईडी के विशेष वकील जोहेब हुसैन द्वारा प्रस्तुत शुरुआती दलीलों को सुनने के बाद, विशेष न्यायाधीश ने मामले को 2 जुलाई से 8 जुलाई तक शेष दलीलों के लिए सूचीबद्ध कर दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने अब इस मामले को दिन-प्रतिदिन की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

बचाव पक्ष के वकील ने ईडी द्वारा सौंपे गए 5000 पन्नों के भारी भरकम दस्तावेजों के मद्देनजर जुलाई में सुनवाई का आग्रह किया था। सुनवाई के दौरान अदालत ने एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड के शेयरों से संबंधित कुछ सवाल उठाए और पूछा कि क्या कंपनी के शेयरधारक इसकी संपत्तियों के मालिक हैं। ईडी के विशेष वकील ने इस आधार पर दलील दी कि कांग्रेस पार्टी के दानदाताओं के साथ धोखाधड़ी की गई।

अब यूपी बनेगा दिव्यांग शिक्षा का राष्ट्रीय हब

- योगी बोले-सभी 18 मंडलों में खुलेगा पुनर्वास केंद्र
- विशेष विश्वविद्यालयों में कौशल पाठ्यक्रमों पर जोर

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी 18 मंडलों में 'दिव्यांग पुनर्वास केंद्र' बनाए जाएं, जहां शिक्षा, पुनर्वास और कौशल विकास से जुड़ी सेवाएं मिल सके। सीएम ने लखनऊ स्थित डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय और चित्रकूट स्थित जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय में कौशल विकास आधारित पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने इन संस्थानों के राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार पर बल

देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश, दिव्यांगजनों की शिक्षा का राष्ट्रीय केंद्र बन सकता है। कॉकलियर इंप्लांट योजना की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने कहा, अगर इस योजना का असली लाभ देना है, तो इसका उपचार बाल्यावस्था में ही शुरू हो। उन्होंने निर्देश दिए कि 214 लाभान्वित बच्चों की हेल्थ रिपोर्ट तैयार की जाए और परिवारों से संवाद सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि 15 लाख दिव्यांगजनों ने यू डीआईडी पोर्टल पर पंजीकरण करवा लिया है।

ऑपरेशन सिंदूर के सहारे शुरू हुई बंगाल चुनाव की तैयारी!

- सीएम ममता बनर्जी के दो बड़े फैसले कर रहे हैं इसी ओर इशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े दो बड़े फैसले लिए हैं। एक तो ये है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और ऑपरेशन सिंदूर पर भारत का पक्ष रखने विदेश दौरे पर जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में पार्टी सांसद यूसुफ पठान की जगह अभिषेक बनर्जी का नाम आगे किया और दूसरा पांच सदस्यीय एक टीएमसी प्रतिनिधिमंडल पहलगाम आतंकी हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू और कश्मीर की जमीनी हालात को समझने के लिए भेजना तय किया है। पश्चिम बंगाल में अगले साल की शुरुआत में ही विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए प्रदेश की मुख्यमंत्री और टीएमसी चीफ ममता बनर्जी के इन दोनों फैसलों को उससे भी

जोड़कर देखा जा रहा है। खासकर इस वजह से, क्योंकि विपक्षी बीजेपी उन पर हिंदू-विरोधी होने का आरोप लगाती रही है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर से टीएमसी सांसद बने यूसुफ पठान के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में जाने से पीछे हटने के बाद पार्टी की ओर से एक्स पर जानकारी दी गई कि ममता बनर्जी ने अभिषेक बनर्जी को आतंकवाद के खिलाफ भारत के वैश्विक रुख के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में हमारा प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित किया है। उनकी आवाज शांति, न्याय और वैश्विक सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाएगी। इससे पहले ममता ने कहा था कि उनकी पार्टी से कोई भी विदेश नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा था कि मूल पार्टी को प्रतिनिधिमंडल के लिए कोई अनुरोध नहीं आया।

कश्मीर जा रहे हैं, लेकिन मुर्शिदाबाद के हिंदुओं का क्या

बीजेपी ने बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल के सदस्यों को जम्मू कश्मीर भेजने के ममता के फैसले पर कहा कि यह सब वोट बैंक की राजनीति के तहत हो रहा है। बंगाल क उत्तर 24 परगना में पार्टी नेता दिलीप घोष बोले,पाकिस्तान के खिलाफ जैसा जनमत बना है देशभर में, टीएमसी ने देखा कि अगर पाकिस्तान के खिलाफ नहीं बोलेंगे तो राजनीति करना मुश्किल है...केवल मुस्लिम वोट की तरफ देखते हुए इस तरह का स्टेप लेते हैं वो लोग। उन्होंने ममता की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा,आप कश्मीर में प्रतिनिधिमंडल भेज रहे हैं लेकिन मुर्शिदाबाद में जो हिंदुओं का नुकसान हुआ है, घर तोड़ा गया है, मंदिर तोड़ा गया है, दो-तीन हत्याएं हुई हैं, वहां कोई नहीं जाता है।

- **टीएमसी मुसलमानों को मुट्ठी में रखना चाहती है-** ममता के इस हृदय परिवर्तन पर बीजेपी नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा, अभिषेक बनर्जी को पश्चिम बंगाल के बाहर कौन जानता है... यूसुफ पठान को लोग बाहर भी जानते हैं, वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी हैं.... आप मुसलमानों को मुट्ठी में रखना चाहते हैं..उनको बुर्का बनाके रखेंगे...उनको मदरसा की शिक्षा देंगे..मॉडर्न शिक्षा नहीं देंगे.... इसलिए अभिषेक बनर्जी का नाम आगे किया गया और यूसुफ पठान का नाम वापस लिया गया... यूसुफ पठान को बोलना चाहिए था, लेकिन मुझे लगता है कि वे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तो हैं, लेकिन उनकी रीढ़ की हड्डी थोड़ी कमजोर है। ममता बनर्जी के जिस दूसरे बड़े फैसले की बात हुई, वह है टीएमसी के पांच सदस्यीय एक प्रतिनिधिमंडल को जम्मू और कश्मीर के दौरे पर भेजना। यह दौरा पहलगाम में हुए आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर हो रहा है। इस दल में तृणमूल सांसद डेरेक ओ ब्रायन, मोहम्मद नदीमुल हक, सागरिका घोष, ममता ठाकुर और पश्चिम बंगाल के मंत्री मानस भुनिया शामिल हैं।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

BSP का संकट...

BSP सुप्रीमो मायावती अपने फैसलों से सभी को चौंकाती रही हैं और भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का चीफ नैशनल कोऑर्डिनेटर बनाकर उन्होंने एक बार फिर यही किया है। हालांकि सियासी मजबूरी में लिए गए इस निर्णय से पार्टी के भीतर का असमंजस और संकट भी सामने आ गया है।

समर्थकों में सवाल: पिछले एक साल के भीतर आकाश दो बार पद गंवा चुके हैं और दो बार उनकी वापसी हो चुकी है। उनकी हर वापसी पहले से ज्यादा दमदार रही। इस बार तो उनके लिए मायावती ने नया पद ही बना दिया। आकाश आनंद को लेकर पहले जैसा घमासान मचा था और अब जिस तरह से उनकी वापसी हुई है, उससे BSP समर्थकों के मन में कई सवाल जरूर होंगे।

विकल्प का अभाव: दलित राजनीति में मायावती आज भी बड़ा नाम हैं। लेकिन, यह भी सच्चाई है कि हर नेता का वक्त होता है और उसे समय रहते अपना उत्तराधिकारी तैयार करना पड़ता है। लगता है कि मायावती इसके लिए पूरी तरह से मन नहीं बना पा रही हैं। पार्टी का एकमात्र चेहरा वह खुद हैं। उनके बाद दूसरी कतार के ज्यादातर नेता पार्टी छोड़कर जा चुके हैं या निष्कासित कर दिए गए हैं। मायावती ने अपना कोई विकल्प कभी उभरने नहीं दिया। ऐसे में आकाश की वापसी के अलावा कोई रास्ता नहीं था।

नई पीढ़ी से दूरी: मायावती पार्टी को अपनी विशिष्ट शैली में चलाती हैं, समर्थकों से संवाद करने का उनका अपना तरीका है। हालांकि सोशल मीडिया के दौर में वोटर्स की जो नई पीढ़ी आई है, वह उस पुराने तरीके से शायद BSP से कनेक्ट नहीं कर पा रही। उसने बहुजन आंदोलन के संघर्ष को नहीं देखा है। चुनावों को छोड़कर, बाकी वक्त में पार्टी सक्रिय विपक्ष की भूमिका में नहीं दिखती - न उसने पिछले काफी समय से कोई बड़ा आंदोलन किया है।

गिरता वोट शेयर: कन्फ्यूजन में घिरी BSP चुनावों में उतरती तो है, लेकिन अब टक्कर देती हुई नहीं दिखती। पिछले एक दशक में उसका वोट शेयर लगातार नीचे आया है। 2019 आम चुनाव में पार्टी ने जब समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया था, तब उसका वोट शेयर 19.2% था और 10 सीटें मिली थीं। 2024 में अकेले चुनाव लड़ने उतरी BSP का वोट शेयर केवल 9.3% रह गया और खाता भी नहीं खुला। इसी तरह, 2022 के विधानसभा चुनाव में 12.8% वोट मिले थे। BSP के वोटर पार्टी के प्रति समर्पित माने जाते हैं। लेकिन, आंकड़े बताते हैं कि यह कोर वोटबैंक भी मायावती से दूर जा रहा है और इसका फायदा मिल रहा है BJP व समाजवादी पार्टी को।

एआई की याददाश्त को बढ़ाने पर दिया जा रहा है जोर

पिछले पखवाड़े में एआई क्षेत्र में आए महत्वपूर्ण बदलावों पर एक विस्तृत नज़र

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व तेजी देखी जा रही है। ओपन-एआई, गूगल, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रमुख कंपनियाँ एआई विकास की दौड़ में आगे निकलने के लिए लगातार नई तकनीकों और मॉडलों पर काम कर रही हैं। जहां एक ओर एआई मॉडल्स की "मेमोरी क्षमता" को बढ़ाने पर फोकस किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर रोबोटिक्स, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर और एथिकल एआई जैसे क्षेत्रों में भी बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। आइए बीते पखवाड़े की कुछ प्रमुख एआई गतिविधियों पर एक विस्तार से नज़र डालते हैं:

1. ओपन-एआई का नया कोडिंग एजेंट Codex: डेवलपर्स के लिए वरदान
ओपन-एआई ने "Codex" नामक एक नया एआई कोडिंग एजेंट लॉन्च किया है। यह कोडिंग, डिबगिंग और कोडबेस विश्लेषण जैसे कार्यों में दक्ष है। यह Codex-1 मॉडल पर आधारित है और फिलहाल ChatGPT के Pro, Team और Enterprise यूजर्स के लिए उपलब्ध है। इसका उद्देश्य डेवलपर्स की उत्पादकता को कई गुना बढ़ाना है, खासतौर पर जटिल कोडिंग कार्यों को सरल बनाकर। Codex, GPT तकनीक पर आधारित होते हुए भी विशेष रूप से सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के लिए अनुकूलित है। यह यूजर से टेक्स्ट में मिले इनपुट के आधार पर कई प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज में कोड जेनरेट कर सकता है। इसके पीछे ओपन-एआई की रणनीति साफ है — टेक्निकल कार्यों में एआई की भागीदारी बढ़ाकर उसे एक उपयोगकर्ता-अनुकूल उपकरण बनाना।

2. मेटा का Behemoth मॉडल: अस्थायी विराम, संभावनाओं की उड़ान
मेटा प्लेटफॉर्म्स ने अपने अत्याधुनिक एआई मॉडल "Behemoth" की रिलीज़ को फिलहाल स्थगित कर दिया है। यह मॉडल कंपनी की LLaMA (Large Language Model Meta AI) श्रृंखला का हिस्सा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह निर्णय मॉडल की क्षमताओं में और सुधार लाने तथा रिसर्च गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से लिया गया है। हालांकि, इस देरी से कंपनी के शेयरों में 2.4% की गिरावट देखी गई और एआई डिवीजन में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें भी सामने आई हैं। लेकिन मेटा की यह रणनीति संकेत देती है कि कंपनी अपने एआई उत्पादों को अधपका बाजार में नहीं उतारना चाहती, बल्कि परिपक्व तकनीक ही उपयोगकर्ताओं को सौंपना चाहती है।

3. एआई सिस्टम्स में मेमोरी का विकास: एआई को दी जा रही 'याददाश्त'
सबसे महत्वपूर्ण रुझानों में से एक है — एआई में मेमोरी या 'स्मरण शक्ति' का विकास। अब कंपनियां अपने चैटबॉट्स और एआई सहायक उपकरणों को इस प्रकार प्रशिक्षित कर रही हैं कि वे उपयोगकर्ताओं के पिछले वार्तालापों, प्राथमिकताओं और व्यवहार पैटर्न को याद रख सकें। ओपन-एआई का ChatGPT अब यूजर की पिछली बातचीतों को 'स्मृति' में रख सकता है और उनसे जुड़े संदर्भों को बाद की बातचीत में उपयोग कर सकता है। गूगल का Gemini मॉडल यूजर्स की सर्च हिस्ट्री को उपयोगी संदर्भ के तौर पर उपयोग करता है। मेटा के AI सिस्टम्स यूजर प्रोफाइलिंग और लंबे संवादों को समझने में पहले से कहीं अधिक सक्षम हो गए हैं। इस प्रयास का मकसद है — बातचीत को अधिक 'व्यक्तिगत' और 'स्वाभाविक' बनाना, जिससे यूजर एआई के साथ लंबे समय तक जुड़ाव महसूस करे।

4. चीन का ह्यूमनॉइड प्रोजेक्ट: 20 अरब डॉलर का एआई दांव
चीन ने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए एआई-संचालित ह्यूमनॉइड रोबोट्स पर बड़ा दांव खेला है। AgiBot और MagicLab जैसे स्टार्टअप्स को सरकारी फंडिंग के जरिए रोबोट्स विकसित करने में मदद मिल रही है, जो फैक्ट्रियों में असेंबली, गुणवत्ता नियंत्रण और जटिल निर्णय लेने जैसे कार्यों में कुशल हैं। चीन सरकार ने इस क्षेत्र में 20 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। यह कदम न केवल चीन के औद्योगिक उत्पादन को तेज करेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर एआई आधारित मैन्युफैक्चरिंग प्रतिस्पर्धा को भी नई दिशा देगा।

5. गूगल का Gemini Robotics: 'एंबेडेड रीजनिंग' से लैस एआई
गूगल डीपमाइंड ने "Gemini Robotics" नामक एक नया मॉडल पेश किया है, जिसे खासतौर पर रोबोटिक्स अनुप्रयोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी खासियत यह है कि यह मॉडल बिना पूर्व प्रशिक्षण के नए वातावरण और कार्यों को समझने और निष्पादित करने की क्षमता रखता है। Gemini Robotics का ER (Embedded Reasoning) वर्जन इसे और अधिक स्मार्ट बनाता है, जिससे रोबोट्स निर्णय लेने और वातावरण में बदलाव के आधार पर अपनी रणनीति बदलने में सक्षम होते हैं।

6. मेटा का 'वॉटरवर्थ प्रोजेक्ट': समुद्र के नीचे 10 अरब डॉलर की एआई लाइन
मेटा ने "Waterworth Project" नामक एक मेगा-इन्फ्रास्ट्रक्चर योजना की घोषणा की है, जिसमें 10 अरब डॉलर की लागत से समुद्र के नीचे केबल बिछाई जाएगी। यह केबल अमेरिका, भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका को जोड़ेगी। इस परियोजना का उद्देश्य एआई और इंटरनेट डेटा ट्रैफिक की भारी मांग को पूरा करना है। भारत के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे देश में तेज़ क्लाउड सेवाएं, उच्च गति डेटा एक्सेस और वैश्विक डिजिटल इकोनॉमी में अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी।

7. भारत का एआई सुरक्षा संस्थान: स्वदेशी मॉडल्स को प्राथमिकता
भारत सरकार ने घोषणा की है कि वह एक "एआई सुरक्षा संस्थान" की स्थापना करेगी। इसका उद्देश्य भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में एआई के नैतिक, सुरक्षित और उत्तरदायी उपयोग को सुनिश्चित करना है। यह संस्थान भारतीय डेटा सेट्स और भाषाई विविधताओं को ध्यान में रखते हुए रिसर्च को बढ़ावा देगा। साथ ही, यह भारत में तैयार हो रहे एआई मॉडल्स की पारदर्शिता और जवाबदेही को भी सुनिश्चित करेगा।

8. यूएई का एआई कैंपस: अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा केंद्र
संयुक्त अरब अमीरात ने एक ऐतिहासिक घोषणा करते हुए अमेरिका के बाहर दुनिया का सबसे बड़ा एआई कैंपस स्थापित करने के लिए समझौता किया है। यह कैंपस अबू धाबी में स्थापित होगा और इसमें हर साल NVIDIA के पांच लाख एआई चिप्स तक की पहुंच होगी। इस कैंपस का उद्देश्य है — एआई रिसर्च, विकास और प्रशिक्षण को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देना। यह पहल यूएई को एआई सुपरपावर के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

सामरिक चुनौती

डॉ. एल.एस. यादव

रक्षा बजट को बढ़ाना होगा

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा तैयारियां बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। भारत का रक्षा तंत्र भी इसको समझ चुका है, इसीलिए रक्षा मंत्रालय ने सरकार को 50000 करोड़ रुपये का रक्षा फंड बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। उम्मीद की जा रही है कि भारत की केन्द्र सरकार रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी कर सकती है क्योंकि यह समय की जरूरत भी है। यदि यह प्रस्ताव मान लिया जाता है तो भारत का कुल रक्षा बजट सात लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि एक फरवरी 2025 को पेश किए गए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रक्षा क्षेत्र के लिए 6.81 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए थे। नई बढ़ोत्तरी होने से यह धनराशि 7.31 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। निश्चित है कि इस राशि को खर्च करके रक्षा तैयारियों को मजबूती प्रदान की जा सकेगी। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित 6.81 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 2024-25 में सशस्त्र बलों के लिए 6.22 लाख करोड़ रुपये दिए गए थे। इस हिसाब से रक्षा बजट में इस साल के लिए 9.5 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गई थी क्योंकि भारत के दो रक्षा मोर्चों पर चुनौतियां ज्यादा बढ़ गई थीं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह अनुभव हुआ कि रक्षा चुनौतियां और ज्यादा बढ़ गई हैं जिनसे निपटने के लिए अब और अधिक रक्षा संसाधनों की जरुरत है। इसीलिए रक्षा बजट में 50000 करोड़ रुपये की बढ़ोत्तरी किया जाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। यदि इसे मान लिया जाता है तो इससे अत्याधुनिक हथियारों की खरीद व नवीनतम हथियारों का उत्पादन देश में भी बढ़ाया जा सकेगा। ऐसा होने पर भारत दोनों मोर्चों पर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में सक्षम हो सकेगा। पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों और उनके सरगनाओं पर कड़ा प्रहार करके पाक अधिकृत कश्मीर के तकरीबन नौ आतंकवादी ठिकाने ध्वस्त कर दिए। इसके बाद बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर जवाबी हमले प्रारम्भ कर दिए तो भारत ने इनका भी मुहंतोड़ जबाब देते हुए उनके कई सामरिक अड्डे ध्वस्त कर दिए। इस तरह भारत की सैन्य ताकत को संसार के सभी देशों ने देखा और जाना कि भारत से टकराव का अंजाम क्या होगा। यह बात सभी को मालूम है कि भारत की सामरिक बढ़त उसकी मजबूत सामरिक तैयारी के कारण प्राप्त हुई। विदित हो कि बीते कुछ वर्षों में भारत ने अपनी रक्षा तैयारियों को मजबूती प्रदान करने के लिए स्वदेशी रक्षा उत्पादन एवं आवश्यक आधुनिकतम रक्षा हथियारों की खरीद करके अपने सैन्य ढांचे को मजबूती प्रदान की है। भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान से निपटने के लिए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूस के एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम, बराक-8 मिसाइल सिस्टम, स्वदेश निर्मित आकाशतीर मिसाइल सिस्टम को तैनात कर रखा था। इसके अलावा पिचैरा और लो लेवल एयर डिफेंस गन की तैनाती ने बेहतरीन ढंग से मदद की। इस तरह भारत के मल्टी लेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के ड्रोन व मिसाइल सहित सभी तरह के आक्रमणों को बेअसर कर दिया। चीन ने पाकिस्तान को जो घातक हथियार दिए थे, पाकिस्तान ने उनका भारत के विरुद्ध प्रयोग किया लेकिन वे भी पाकिस्तान के काम नहीं आए। गौरतलब है कि चीन ने पाकिस्तान को जे-10 सी लड़ाकू विमान व उसमें लगी पीएल-15 किस्म की दी थीं। इनके अलावा परमाणु बम दागने वाली एसएच-15 तोप व घातक किलर ड्रोन भी दिए थे। इन सबका पाकिस्तान ने जमकर प्रयोग करते हुए भारत की जमीन को चीनी हथियारों का परीक्षण केन्द्र बनाया लेकिन सब असफल रहा। इसलिए अब संभावना यही बन रही है कि भविष्य में जब कभी भारत का चीन या पाकिस्तान से टकराव होगा तो ये दोनों देश एक साथ मिलकर भारत के सामने होंगे क्योंकि चीन ने पाकिस्तान को नई सैन्य मदद देने की योजना पर काम करना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान की चीन से अत्याधुनिक एवं पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान जे-35 खरीदने की योजना है। चीन पाकिस्तान की नौसेना को मजबूत करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक वाली हंगोर श्रेणी की पनडुब्बी और हाइपरसोनिक मिसाइलें भी देना चाह रहा है। निश्चित रूप से इस सहयोग का मकसद भारत के मुकाबले पाकिस्तान की ताकत को मजबूत करना है। ऐसे में भारत का रक्षा बजट बढ़ाया जाना समय की जरूरत है। इसके तहत रक्षा तैयारियों को नई गति देते हुए सरकार ने ब्रह्मोस, आकाश सहित अन्य स्वदेशी मिसाइलों व दूसरी प्रमुख उन्नत किस्म की स्वदेशी हथियार प्रणालियों में तेजी लाने को लिए संबंधित रक्षा कंपनियों को निर्देश दे दिए हैं। ऑपरेशन सिंदूर से यह स्पष्ट हो गया है कि आधुनिक युद्धों में इन्हीं हथियारों की प्रमुख भूमिका होगी। ऐसे में बढ़ाया जाने वाला रक्षा बजट इन्हीं क्षेत्रों में खर्च होने की संभावना होगी।

(लेखक सैन्य विज्ञान विषय के प्राध्यापक रहे हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

चेतना का मूल आधार है अस्तित्व का ज्ञान

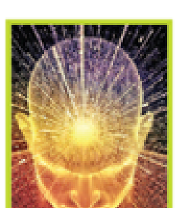

संकलित

दर्शन

जब हम दर्शनशास्त्र का अध्ययन करते हैं, तो हमें यह ज्ञान होता है कि संपूर्ण विश्व एक है। आध्यात्मिक, भौतिक, मानसिक तथा प्राण-जगत भिन्न-भिन्न नहीं हैं। समस्त विश्व, यहां से वहां तक, एक है। बात इतनी ही है कि अलग-अलग दृष्टिकोण से देखे जाने के कारण वह विभिन्न प्रतीत होता है। 'मैं शरीर हूं, इस भावना से जब तुम अपनी ओर देखते हो तो यह भूल जाते हो कि मैं मन भी हूं'। और, जब तुम अपने को मनोरूप में देखने लगते हो, तो तुम्हें अपने शरीरत्व की विस्मृति हो जाती है। विद्यमान वस्तु केवल एक है और वह तुम हो। वह तुम्हें जड़ या शरीर के रूप में अथवा मन या आत्मा के रूप में दिख सकती है। जन्म, जीवन, मरण ये सब भ्रम मात्र हैं। न कोई कभी मरता है और ना कोई कभी जन्म लेता है। होता इतना ही है कि मनुष्य एक स्थिति से दूसरी स्थिति में चला जाता है। लोगों को मृत्यु से इतना भय पाते देख मुझे बहुत दुख होता है। वे मानो जीवन को पकड़ कर रखने की सतत चेष्टा करते रहते हैं। वे कहते हैं कि मृत्यु के बाद हमें जीवन दो। हमें मरणोत्तर जीवन दो। यदि कोई आए और उन्हें बताए कि मृत्यु के बाद भी वे विद्यमान रखेंगे, तो वे कितने आनंदित होते हैं? वस्तुतः मनुष्य के अमरत्व में मैं अविश्वास ही किस तरह कर सकता हूं? मैं मृत हूं, यह कल्पना ही मैं किस प्रकार कर सकता हूं? तुम यदि अपने को मृत सोचने की कोशिश करो तो देखोगे कि तुम अपने मृत शरीर को देखने के लिए वर्तमान हो ही। जीवन का अस्तित्व एक ऐसा आश्चर्यमय सत्य है कि तुम एक क्षण भी उसका विस्मरण नहीं कर सकते, क्योंकि अपने अस्तित्व के बिना यह विस्मरण भी बिल्कुल ही असंभव है।

आइस्क्रीम की एक डिश

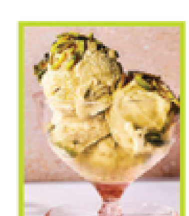

संकलित

प्रेरणा

एक बार एक छोटा सा लड़का एक होटल में गया। कुछ ही देर में वहां वेटर आया और उसने पूछा आपको क्या चाहिए सर? छोटे बच्चे ने उल्टा पुछा! वैनिला आइसक्रीम कितने रुपए का है ? उस वेटर वाले ने जवाब दिया 50 रुपए का । यह सुन कर उस छोटे लड़के ने अपने जेब में हाँथ डाल कर कुछ निकाला और हिसाब किया । उसने दूबारा पूछा कि संतरा फ्लेबर आइसक्रीम कितने का है। वेटर ने दूबारा जवाब दिया और कहा 35 रुपए का सर। यह सुनने के बाद उस लड़के ने कहा! मेरे लिए एक संतरा फ्लेवर आइसक्रीम ले आईये। कुछ ही देर में वेटर आइसक्रीम की प्लेट और साथ में बिल लेकर आया और उस बच्चे के टेबल पर रखकर चले गया। उस लड़के ने उस आइसक्रीम को खाने के बाद पैसे दिए और वह चले गया। जब वह वेटर वापस आया तो वह दंग रहे गया यह देखकर कि उस लड़के नें खाए हुए आइसक्रीम प्लेट के बगल में आइस-क्रीम के 35 रुपए के साथ उसके लिए 15 रुपए का टिप छोड़ गया था। उस लड़के पास 50 रुपए होने पर भी उसने उस वेटर के टिप के बारे में पहले सोचा न की अपने आइसक्रीम के बारे में । उसी प्रकार हमें अपने फायदे के बारे में सोचने से पहले दूसरों के बारे में भी सोचना चाहिए । हमारा ध्यान कभी दूसरो के भलाई की और नहीं जाता। हम पहले अपनी भलाई में ही लगे रहते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

मलेरिया भगाने के लिए जनजागरण जरूरी

मलेरिया एक प्राचीन लेकिन अब भी प्रासंगिक बीमारी है, जिसने सदियों से मानव सभ्यता को प्रभावित किया है। यह मुख्य रूप से एनोफिलीज नामक मादा मच्छर के काटने से फैलता है, जो प्लाज्मोडियम परजीवी से संक्रमित होती है। जब यह परजीवी मानव शरीर में प्रवेश करता है तो वह यकृत और रक्त कोशिकाओं में पहुंच कर वहां अपनी संख्या बढ़ाता है और शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को क्षतिग्रस्त करता है। लोगों को मलेरिया के खतरों और उससे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन की पहल पर विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष मलेरिया दिवस की थीम 'मलेरिया का अंत हमारे साथ : पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जागृति' रखी गई थी, जिसका निहितार्थ यह है कि मलेरिया को समाप्त करने की जिम्मेदारी अब हम सबकी है।

- प्रतीक पटले, भाटापारा

करंट अफेयर

लैंटर्नफ्लाई के प्रसार को रोकने में मददगार बने प्रशिक्षित कुत्ते

पत्तों पर रहकर पौधों को नुकसान पहुंचाने वाला चित्तीदार लैंटर्नफ्लाई' वह कीट है जिसे एक दशक पहले पहली बार अमेरिका मे देखा गया था। हालांकि, अब यह ईस्ट कोस्ट और मिडवेस्ट मे फैल चुका है।

शोधकर्ता इसके प्रसार को धीमा करने के लिए एक नया हथियार इस्तेमाल कर रहे हैं। यह हथियार कुछ और नही बल्कि कुत्ते हैं। विशेष रूप से प्रशिक्षित कुत्ते इस कीट के अंडों को फूटने से पहले ही सूंघ सकते हैं। एक अंडे से 30 से 50 चित्तीदार लैंटर्नफ्लाई उत्पन्न हो सकती हैं।

क्लीवलैंड मेट्रोपार्क्स प्रबंधक कोनी हॉसमैन ने बताया कि अब तक कुत्तों ने 4,000 से अधिक अंडों को ढूंढा है, यानि इनसे पैदा होने वाले 2,00,000 कीटों को खत्म करने में मदद मिली है। हॉसमैन ने बताया कि अप्रैल में कुछ ही घंटों में कुत्तों ने क्लीवलैंड मेट्रोपार्क्स चिड़ियाघर में लगभग 1,100 अंडे के ढेर खोज निकाले। उन्होंने कहा, 'कोई भी मामूली कुत्ता इन अंडों को नहीं ढूंढ सकता है। ऐसे विशेष कुत्तों की सूंघने की क्षमता अद्भुत होती है और उन्हें अपनी सेवा साबित करने के लिए कई परीक्षा पास करनी पड़ती है।' इन कुत्तों को वर्जीनिया टेक विश्वविद्यालय के एक समूह के नेतृत्व में एक शोध परियोजना के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया था।

ऑफ बीट

बोरियत खराब मानी जाती है विज्ञान लाभकारी मानता है

हम सभी ने उदासी और उबाऊ स्थितियों का सामना किया है जिसमें रुचियों को लेकर उदासीनता की स्थिति होती है और मानसिक प्रोत्साहन कम हो जाता है।

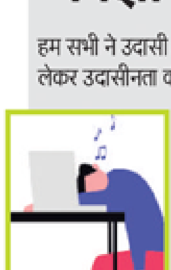

अंततः जब हमारा ध्यान भटक जाता है तो हम विरक्त से हो जाते हैं। समय धीरे-धीरे बीतता हुआ प्रतीत होता है, और हम बेचैनी भी महसूस करने लगते हैं। चाहे वह कोई ऐसी फिल्म देखना हो जो निराश करती हो, कोई बच्चा शिकायत करता हो कि "करने के लिए कुछ नहीं है", या कोई वयस्क बैठक के दौरान ध्यान न दे रहा हो। कुल मिलाकर बोरियत एक सार्वभौमिक अनुभव है। सामान्यतः उबाऊपन या बोरियत को किसी वर्तमान गतिविधि में ध्यान या रुचि बनाए रखने में कठिनाई के रूप में परिभाषित किया जाता है और इसे आमतौर पर एक नकारात्मक स्थिति के रूप में देखा जाता है, जिसे हमें अनुभव करने से बचने या रोकने का प्रयास करना चाहिए। लेकिन क्या होगा अगर बोरियत को सकारात्मक स्थिति के रूप मे देखने का कोई और तरीका हो? क्या बोरियत को अपनाना सीखना फायदेमंद हो सकता है? मस्तिष्क का तंत्र परस्पर जुड़े क्षेत्रों की एक प्रणाली है जो विभिन्न कार्यों का समर्थन करने के लिए एक साथ काम करते हैं। हम इसकी तुलना एक ऐसे शहर से कर सकते हैं जहां उपनगर (मस्तिष्क क्षेत्र) सड़कों (तंत्रिका मार्ग) से जुड़े हुए हैं।

ट्रेंड

वैज्ञानिक समुदाय को क्षति

पद्म विभूषण डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन का निधन भारत के वैज्ञानिक समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति है। परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के पीछे एक दूरदर्शी व्यक्ति, उनके नेतृत्व ने हमारे परमाणु भविष्य को आकार दिया।

-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

बलूचिस्तान सबसे उपेक्षित

पाकिस्तान का सबसे बड़ा और सबसे अधिक संसाधन संपन्न प्रांत होने के बावजूद, बलूचिस्तान इसका सबसे उपेक्षित और अविकसित क्षेत्र बना हुआ है। एक विरोधाभास जो दशकों के व्यवस्थित आर्थिक और राजनीतिक शोषण को दर्शाता है।

-हिमंत विश्व शर्मा, सीएम, असम

स्कूली शिक्षा पर ध्यान दें

सरकारी स्कूलों के हालात यूपी व बिहार मे यह अति-दयनीय होने से बहुजन गरीब परिवारों का बहुप्रतीक्षित विकास बाधित व इनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय। ऐसे मे स्कूली शिक्षा पर ध्यान देकर इन्हें बंद करने के बजाय प्रोत्साहन जरूरी।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

नशा-विरोधी मुहिम

टीएसी की बैठक मे पहला एजेंडा आदिवासी बहुल गांवों मे शराब की दुकानें एवं बार खोलने का लाइसेंस देने का है। अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत, मैंने नशा-विरोधी मुहिम से की थी और झारखंड की युवा पीढ़ी को नशे के दलदल मे धकेलने की इस कोशिश का पुरजोर विरोध होगा।

-चंपई सोरेन, पूर्व सीएम, झारखंड

रॉयल पत्रिका

अखिल भारतीय रैगर महासभा का प्रतिनिधि सम्मेलन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिला, गरीब, युवा और किसान सहित हर वर्ग के उत्थान से ही देश का उत्थान हो रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। इसी का परिणाम है कि देश का हर वर्ग, हर जाति और हर समाज उन्नति कर रहा है।

मुख्यमंत्री शर्मा बुधवार को बिड़ला सभागार में अखिल भारतीय रैगर महासभा के प्रतिनिधि सम्मेलन और अभिनंदन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने संत जीवाराम, संत आत्माराम और बाबा साहेब अम्बेडकर को नमन कर समाज प्रतिभाओं को बधाइयां दीं।

बनाएंगे पैनोरमा, युवाओं को मिलेगी सीख

शर्मा ने कहा कि आजादी पूर्व से ही रैगर समाज का राष्ट्रहित में अहम योगदान रहा है। हमारी सरकार ने भी आवश्यक निर्णय लेकर सभी समाजों के विकास कार्यों को गति दी है। इस दौरान उन्होंने देश में संस्कृति, विरासत और समाज समानता में अहम भूमिका निभाने वाले 'संत आत्माराम लक्ष्य' का पैनोरमा बनाने के लिए घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे संत आत्माराम लक्ष्य के विचारों को आत्मसात कर युवा राष्ट्र विकास के मार्ग पर चल सकेंगे।

भावी पीढ़ी के प्रेरणास्त्रोत बनेंगे पंचतीर्थ

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जिस समतामूलक और शिक्षित समाज की परिकल्पंना की थी, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साकार कर रहे हैं। भावी पीढ़ी को डॉ. अंबेडकर के राष्ट्र विकास में योगदान, अमूल्य कार्यों व विचारों से प्रेरणा मिलेगी। इसके लिए उनके जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित गया है।

उन्होंने कहा कि पंचतीर्थ भ्रमण योजना के तहत राज्य सरकार अनुसूचित जाति के लोगों को बाबा साहब के जीवन से जुड़े तीर्थों का भ्रमण करा रही है।

शर्मा ने कहा कि महिला सशक्तीककरण एवं श्रम सुधार जैसे क्षेत्रों में बाबा साहब ने महत्वयपूर्ण योगदान दिया।

इसके बावजूद आजादी के बाद लंबे अर्से तक उन्हें सम्माधन नहीं मिल पाया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत कर देशवासियों की ओर से उन्हें सच्चा सम्माान दिया है। शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 में सत्ता संभालने के साथ ही प्रधानमंत्री ने बाबा साहब की विरासत और आजाद भारत को लेकर देखे गए सपनों को साकार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

वंचित वर्गों का सशक्तीकरण हमारी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भी बाबा साहब के विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज को सशक्तत बनाने के लिए कार्य कर रही है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और अनाथ व जरुरतमंद बच्चों की देखभाल के लिए पालनहार योजना के तहत आर्थिक सहायता दी जा रही हैं। विमुक्तर, घुमंतू और अर्द्धघुमंतू समुदाय के कल्योाण के लिए 'दादूदयाल घुमंतू सशक्ती करण योजना' में 60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इन समुदाय को 26 हजार आवासीय पट्टे देने का बड़ा कार्य भी किया गया है।

शर्मा ने कहा कि जयपुर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वयविद्यालय के तहत अंबेडकर इंस्टीकट्यूट ऑफ कॉन्स्टिट्यूशनल स्टसडीज एण्ड रिसर्च की शुरुआत भी की गई है।

गरीब कल्याण के लिए योजनाएं संचालित

शर्मा ने कहा कि देश में अब गरीबी हटाओ के नारों के बजाय गरीब कल्याण की दिशा में कार्य हो रहे हैं। शर्मा ने समाज के लोगों से बाबा साहब के बताए रास्तों पर चलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान निभाने के लिए आह्वान किया है।

इस अवसर पर दिल्ली से सांसद योगेंद्र चांदोलिया, विधायक रामसहाय वर्मा, महासभा अध्यक्ष बी.एल. नवल सहित विभिन्न राज्यों से आए समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

कागजी क्रिकेट एकादमी का सचिन पायलट ने किया उद्घाटन लगाया चौका

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। इंसान चाहे तो क्या नहीं कर सकता बस एक जुनून की आवश्यकता है। क्रिकेट के जुनून ने भारत को दुनिया का सिरमौर बनाया। वर्षों से खेली जा रही कागजी क्रिकेट लीग के जुनून ने आज स्वयं की एकाडमी बनाने में कामयाबी हासिल की है। शिकारपुरा रोड सांगानेर में स्थित इस ऐतिहासिक पल के गवाह रहे राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं नेशनल राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सचिन पायलट पूर्व आरसीए के उपाध्यक्ष अमीन पठान, किसन पोल विधायक अमीन कागजी, विधायक वेदप्रकाश सोलंकी, राजस्थान रणजी टीम के पूर्व कप्तान एवं कोच अजीतसिंह चौधरी रहे। सचिन पायलट ने विधिवत रूप से फीता काट कर कागजी क्रिकेट एकाडमी का उद्घाटन किया एवं बल्ले से चौका भी लगाया। सह संयोजक अज़ीज़ अजमेरी ने बताया कि आज से बीस दिन चलने वाली कागजी क्रिकेट लीग (केपीएल) प्रारंभ हो चुकी है। जिसमें 24 टीमें भाग ले रही हैं। प्रत्येक दिन तीन-चार मैच फ्लैशलाइट की रोशनी में खेले जाएंगे। हर मैच के बाद मैन ऑफ द मैच को ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। इस कागजी क्रिकेट अकादमी में खिलाड़ियों को अपना टैलेंट दिखाने का और आगे बढ़ने का बहुत अच्छा मौका है। जिसको मिस नहीं करना चाहिए। क्योंकि यह अकादमी अच्छे-अच्छे कोच की निगरानी में संचालित होने जा रही है।

आगामी मानसून सत्र को ध्यान में रखते हुए पौधारोपण की पूर्व तैयारी सुनिश्चित की जाए - पंचायती राज मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में बुधवार को वर्ष 2025 मे सघन पौधारोपण करने के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

पंचायती राज मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के आह्वान पर पिछली बार हमने प्रदेश में सात करोड़ पौधे लगाए थे। हम इस बार 25 करोड़ पौधे लगाएंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी मानसून सत्र को ध्यान में रखते हुए पौधारोपण की पूर्व तैयारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आने वाले समय को पर्यावरण के लिए चुनौती बताते हुए अधिकाधिक पौधे लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि इस बार हमने 25 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि पौधारोपण के लिए मनरेगा के माध्यम से गड्ढे खुदवाए जाएंगे। ऐसे में एक पेड़ मां के नाम - हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण/वृक्षारोपण किया जाएगा।

मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि यदि मन बनाओगे तो हर काम संभव है। इस बार भी कोशिश करेंगे कि मुख्यमंत्री के निर्देशों की पूरी तरह पालना हो। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर पौधे लगाने है।

मंत्री दिलावर ने कहा कि तापमान को नियंत्रण में रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें पेड़ बनाना है।

पर्यावरणविदों के अनुसार एक व्यक्ति के करीब 420 पौधे होने चाहिए जबकि प्रदेश में यह अनुपात महज 28 पौधों का ही है। एक जुलाई से पौधारोपण/वृक्षारोपण अभियान शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जगह की कमी नहीं है। उन्होंने पौधारोपण/वृक्षारोपण के लिया स्थान चिंहित करने के निर्देश दिया।

ग्राम पंचायत स्तर से लेकर सभी राजकीय परिसरों, श्मशान, कब्रिस्तान, खेल मैदान , विद्यालय, ओरण क्षेत्र, चारागाह क्षेत्र, स्टेट राजमार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग आदि सभी जगह पौधारोपण/वृक्षारोपण करना है।

उन्होंने कहा की इन स्थानों पर इतने पेड़ लगाये जाए कि 4 वर्ष बाद इन स्थानों पर एक अलग प्रकार का खुशनुमा माहौल और सघन पौधारोपण हो जाए ताकि यह सभी स्थल एक रमणीय स्थल बन सके ।

उन्होंने कहा कि पौधों के चयन में स्थानीय जलवायु एवं मिट्टी की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए पौधरोपण/वृक्षारोपण किया जाएगा। पंचायती राज मंत्री ने अभियान की पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता के लिए निगरानी तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए।

बैठक में डॉ. जोगा राम, शासन सचिव एवं आयुक्त पंचायती राज विभाग सहित पंचायती राज विभाग, वॉटर शेड विभाग सहित वन विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, ग्रामीण विकास विभाग आदि के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री गुरुवार को रहेंगे बीकानेर दौरे पर

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरूवार को बीकानेर से 26 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित करेंगे। साथ ही, प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित देशनोक रेलवे स्टेशन का दौरा करेंगे तथा बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री देशनोक स्थित विश्वप्रसिद्ध करणी माता मंदिर में दर्शन करेंगे। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी बीकानेर में उनके साथ उपस्थित रहेंगे।

यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशभर में सांस्कृतिक विरासत, दिव्यांगजन केंद्रित सुविधाएं और यात्रियों की सुगमता के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत रेलवे स्टेशनों पर आधुनिक बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री द्वारा 1100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकसित 103 अमृत रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया जाएगा जिसमें राजस्थान के 8 रेलवे स्टेशन (फतेहपुर शेखावाटी, देशनोक, बूंदी, मांडलगढ़, गोगामेड़ी, राजगढ़, गोविंदगढ़, मंडावर-महुआ रोड) शामिल हैं। देशनोक रेलवे स्टेशन में मंदिर वास्तुकला, मेहराब और स्तंभ विषयवस्तु शैली उपयोग में ली गई है जिससे क्षेत्रीय वास्तुकला को बढ़ावा मिलेगा।

रेलवे स्टेशनों पर बुनियादी ढांचा किया जा रहा सुदृढ़—

भारतीय रेलवे अपने नेटवर्क के 100 प्रतिशत विद्तीकरण की ओर अग्रसर है जिससे रेलवे संचालन अधिक कुशल तथा पर्यावरण अनुकूल बन रहा है। इसी क्रम में मोदी चूरू-सादुलपुर रेल लाइन (58 किमी) की आधारशिला रखेंगे तथा सूरतगढ़-फलोदी (336 किमी), फुलेरा-डेगाना (109 किमी), उदयपुर-हिम्मतनगर (210 किमी), फलोदी-जैसलमेर (157 किमी) तथा समदड़ी-बाड़मेर (129 किमी) रेल लाइन विद्तीकरण को राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

मजबूत सड़क तंत्र से सुरक्षा बलों को आवाजाही में होगी सुगमता—

प्रधानमंत्री सड़क अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए पुष्कर में एनएच-58 पर 3 वाहन अंडरपास के निर्माण तथा एनएच-11, एनएच-70 (जैसलमेर से म्याजलार) की सड़कों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण की आधारशिला रखेंगे। साथ ही, राजस्थान में लगभग 4 हजार 850 करोड़ की 7 सड़क परियोजनाओं को भी समर्पित करेंगे। इनसे आवागमन सुगम हो सकेगा। साथ ही, इन राजमार्गों के भारत-पाक सीमा तक फैले होने के कारण सुरक्षा बलों के लिए आवाजाही में सुगमता बढ़ेगी और भारत का रक्षा बुनियादी ढांचा भी मजबूत होगा।

सभी के लिए बिजली और स्वच्छ ऊर्जा हमारा विजन—

केन्द्र सरकार सभी के लिए बिजली और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध करवाने के विजन के साथ निरंतर काम कर रही है। इसी कड़ी में मोदी विभिन्न विद्त परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे जिनमें नीपको 300 मेगावाट ग्राउंड माउंटेड सौर परियोजना (बीकानेर), एसजेवीएन 100 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना (नावा), डीडवाना तथा कुचामन की सौर परियोजनाएं शामिल हैं। साथ ही, पार्ट बी पावरग्रिड सिरोही ट्रांसमिशन लिमिटेड और पार्ट ई पावरग्रिड मेवाड़ ट्रांसमिशन लिमिटेड के विद्त निकासी के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली का शिलान्यास भी किया जाएगा।

विधानेश्वूर महादेव मंदिर में देव प्राण प्रतिष्ठाअ विधानसभा कर्मियों ने देवनानी को दिया निमंत्रण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्था्न विधानसभा अध्यतक्ष वासुदेव देवनानी को बुधवार को प्रातः विधानसभा में विधान सभा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने विधान सभा नगर, मानसरोवर स्थित विधानेश्वेर महादेव मंदिर के देव प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के लिये निमंत्रण दिया। देवनानी गुरूवार, 5 जून को मंदिर की महाआरती में शामिल होंगे। समारोह में विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्टप सहायक के.के.शर्मा भी शामिल होंगे।

विधानसभा अधिकारी श्रीमती इन्द्रा शर्मा, शिव कुमार शर्मा, के.के.शर्मा, फतहलाल जनवा सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण ने बताया कि धौलाई स्थित विधान सभा नगर में स्थाापित विधानेश्वपर महादेव मंदिर में देव प्राण-प्रतिष्ठाण का पांच दिवसीय समारोह का आयोजन किया जायेगा। रविवार, 1 जून को प्रातः कलश यात्रा, हवन, जलाधिवास के साथ समारोह की शुरूआत होगी। 2 जून को देव अर्चन, 3 जून को हवन, 4 जून को महास्नानन तथा 5 जून को प्राण प्रतिष्ठा के साथ पूर्ण आहूति, महाआरती और प्रसादी होगी।

आयुक्त ने सिलिकोसिस सहायता राशि के लंबित प्रकरणों के निस्तारण के लिए जिला स्तरीय बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। आयुक्त एवं विशिष्ट शासन सचिव बचनेश अग्रवाल ने बुधवार को भुगतान की गई सिलिकोसिस सहायता राशि का संबंधित विभागों से अंक मिलान एवं पुनर्भरण करवाने के लिए संबंधित जिला अधिकारियों के साथ वीसी के जरिए बैठक कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मुख्यालय अम्बेडकर भवन के सभागार भवन में आयोजित अहम बैठक में सिलिकोसिस नीति के तहत सिलिकोसिस योजना के नवीन या पुराने पोर्टल पर अंक मिलान के लंबित प्रकरण, नोडल अधिकारी स्तर पर सिलिकोसिस के मृत्यु सहायता के लिए लंबित प्रकरणों का निस्तारण करवाने सहित कई अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। अग्रवाल ने कहा कि राज्य में न्यूमोकोनियोसिस (सिलिकोसिस) नीति के तहत न्यूमोकोनियोसिस (सिलिकोसिस) रोग की पहचान, रोकथाम, नियंत्रण एवं पीड़ित तथा पीड़ित के परिवार के पुनर्वास के लिए समुचित व्यवस्था की गई है। इस नीति के अन्तर्गत केन्द्रीयकृत ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से निदेशालय विशेष योग्यजन द्वारा सिलिकोसिस सहायता राशि का भुगतान डीबीटी के माध्यम से पीड़ितों को किया जा रहा है। निदेशक ने कहा कि इस योजना में भुगतान की गयी सिलिकोसिस जीवित या मृत्यु सहायता का संबंधित श्रमिक के खान विभाग या श्रम विभाग या अन्य (राज्य निधि) से अंकमिलान कर उक्त राशि का संबंधित विभाग से पुनर्भरण कर निधि में बजट प्राप्त किया जाता है। उन्होंने कहा कि सहायता राशि के अंकमिलान एवं पुनर्भरण का कार्य लंबित होने के कारण वर्तमान में निधि में पर्याप्त बजट नहीं होने के कारण पीड़ितों को समयबद्ध रूप से भुगतान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि सिलिकोसिस पीडितों या परिवारजनों को भुगतान की सिलिकोसिस जीवित या मृत्यु सहायता राशि का संबंधित श्रमिक के खान विभाग या श्रम विभाग या अन्य (राज्य निधि) से अंकमिलान करवाकर उक्त राशि का संबंधित विभाग से न्यूमोकोनियोसिस निधि में पुनर्भरण करवाने के शीघ्र करवाने के निर्देश दिए।

जयपुर मेट्रो को लेकर भजनलाल शर्मा का महत्वपूर्ण निर्णय

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। एक दूरदर्शी और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर मेट्रो फेज-2 की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) का अनुमोदन किया है। इस निर्णय के उपरांत डीपीआर को मेट्रो रेल नीति, 2017 के तहत केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय से अनुमोदन के लिए भिजवाया गया है। केन्द्र सरकार की मंजूरी मिलते ही इस परियोजना का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025-26 के राज्य बजट में जयपुर मेट्रो के फेज-2 का कार्य हाथ में लिए जाने की घोषणा की गई थी।

इस परियोजना के साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शहरी परिवहन के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित करने जा रही है। यह परियोजना न केवल जयपुरवासियों के सफर को सुगम बनाएगी, बल्कि शहर की अर्थव्यवस्था और निवेश की संभावनाओं को भी नई ऊंचाई देगी। इस परियोजना का क्रियान्वयन राज्य एवं केंद्र सरकार की नई 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा किया जाएगा। यह कंपनी जयपुर शहर की सभी वर्तमान और भविष्य की मेट्रो परियोजनाओं की जिम्मेदारी निभाएगी। लगभग 12 हजार 260 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना के लिए एडीबी और एआईआईबी ने वित्तीय ऋण प्रदान करने की सहमति दी है।

36 स्टेशन में से 2 स्टेशन होंगे अंडरग्राउंड-

यह परियोजना जयपुर शहर के उत्तर-दक्षिण मुख्य ट्रांजिट कॉरिडोर टोडी मोड से प्रह्लादपुरा तक प्रस्तावित है, जिसकी लंबाई लगभग 42.80 किलोमीटर होगी। इसमें कुल 36 स्टेशन प्रस्तावित हैं जिनमें से 34 एलीवेटेड और 2 अंडरग्राउंड होंगे। यह कॉरिडोर शहर के प्रमुख आवासीय, व्यावसायिक, शैक्षणिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों जैसे वीकेआई औद्योगिक क्षेत्र तथा सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र को आपस में जोड़ेगा। इसके अतिरिक्त, दूसरे चरण में हवाई अड्डे के प्रस्तावित नवीन टर्मिनल के ठीक नीचे एक भूमिगत मेट्रो स्टेशन का प्रस्ताव किया गया है, जिससे निर्बाध कनेक्टिविटी उपलब्ध हो सकेगी। फेज-2 के माध्यम से टोंक रोड, विद्याधर नगर, प्रस्तावित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल्स, सवाई मानसिंह अस्पताल, सवाई मानसिंह स्टेडियम, कलेक्टे्ट जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को भी सीधे कनेक्टिविटी मिलेगी।

जयपुर मेट्रो के प्रस्तावित फेज-2 को वर्तमान में मानसरोवर से बड़ी चौपड तक संचालित फेज-1 से कनेक्टिविटी हेतु फेज-1 के रेलवे स्टेशन मेट्रो स्टेशन से प्रस्तावित खासा कोठी मेट्रो स्टेशन के मध्य एक फुट ओवर ब्रिज तथा गवर्नमेंट हॉस्टल और चांदपोल मेट्रो स्टेशन के बीच एक स्पर लाइन भी प्रदान की गई है जिससे दोनों एलाइनमेंट के बीच निर्बाध आने-जाने की सुविधा मिल सकेगी।

राज्यपाल ने यूपीएससी परीक्षा में 91 वीं रैंक हासिल करने वाले दिव्यांग मनु गर्ग की सराहना की

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से बुधवार को राजभवन में संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2024 में देशभर में 91 वीं रैंक हासिल करने वाले दृष्टिबाधित मनु गर्ग ने मुलाकात की। राज्यपाल ने मनु गर्ग की सराहना की तथा उनसे सभी को प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि आठवीं कक्षा से ही नेत्र बाधित होने के बावजूद सिविल सर्विसेज परीक्षा में मनु गर्ग ने टॉप 100 में जगह बनाई है। मनु को ब्रेल लिपि नहीं आती परन्तु वह टेक्नो फ्रेंडली है। तकनीक का सहारा लेकर आम छात्र की तरह उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी कर यह सफलता पाई है। राज्यपाल ने उनकी सफलता पर कहा कि, यदि हौसले हो और चुनौतियों से मुकाबला करने की इच्छा शक्ति हो तो कोई भी लक्ष्य बड़ा नहीं होता। मनु दूसरे युवाओं के लिए प्रेरणा है। बागडे ने मनु को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राज्यपाल ने उनके परिजनों को भी बधाई देते हुए उनके सहयोग की भी सराहना की।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हैरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

आधुनिक भारत के निर्माता एवं युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत थें स्व. राजीव गांधी - मुईजुद्दीन गुड्डू

-पुर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर शहर युवक कांग्रेस ने 105 यूनिट रक्तदान कर दी श्रद्धांजलि

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। युवा कांग्रेस कोटा के शहर जिलाध्यक्ष मोईजूद्दीन गुड् के नेतृत्व में बुधवार को तलवंडी स्थित सुधा अस्पताल ब्लड बैंक में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें एम बी एस अस्पताल ब्लड बैंक को भी शामिल किया गया।

रक्तदान शिविर में 105 युनिट रक्त एकत्रित किया गया शिविर में युवाओं ने बड़ चड़ कर हिस्सा लिया। जिसमें कांग्रेसी नेताओं ने तथा जनप्रतिनिधियों ने भी पहुंच कर रक्तदाताओं का उत्साह वर्धन किया भीषण गर्मी में युवाओं का रक्तदान के प्रति उत्साह देखने लायक रहा। विदित रहे कि अत्यधिक गर्मी के कारण अस्पतालों में रक्त कि भारी किल्लत बनी हुई है। पुर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी कि पुण्यतिथि के साथ ही पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए भारतीयों व भारतीय सेना के जवानों को भी श्रद्धांजलि अर्पित कर याद किया गया वहीं आतंकवाद के खिलाफ एकजुट भारत मुहिम एंटी टेरीरिज्म डे के रूप में मनाया जिसका समय प्रात: 10 बजे से दोपहर 03 बजे तक रहा।

जिसमें मुख्य रूप से लाडपुरा प्रधान नईमुद्दीन गुड्, महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष राखी गौतम, कांग्रेस शहर जिलाध्यक्ष रविन्द्र त्यागी, देहात जिलाध्यक्ष भानू प्रताप सिंह, प्रदेश सचिव मंजूर तंवर, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष शालिनी गौतम, पार्षद बबलू गुर्जर कसाणा, पार्षद सोनू अब्बासी, पार्षद जियाउद्दीन राजू, पूर्व पार्षद संजय यादव, पार्षद रफीक अहमद, लाडपुरा समन्वयक अनिल आनंद, वाई जी एन कालेज निदेशक अरशद अंसारी, समाज सेवी अब्दुल रहीम खान, हेमराज मीणा, छोटूलाल मीणा, सेवा नि. पुलिस नि. रियासत अली, युवक कांग्रेस प्रदेश सचिव राजेश कुमार, इकबाल खान, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद जुबैर, मण्डल अध्यक्ष विनोद बुर्ट, आशिक खान, रामेश्वर प्रजापत, जीशान अली, कमल गहलोत, राजेश मेघवाल, राम गोपाल मेघवाल, मान सिंह खारोल, चेतन सिंह सोलंकी, तोसीफ नागरा,हरि शंकर सैन, नन्द बिहारी मीणा, मनीष पारेता, खालिद मोहम्मद, भगत सिंह, इन्द्र जीत वर्मा, एडवोकेट मनीष शर्मा, चिंटू गोरी, कोशल सेन, आदिल सुल्तान, रामनिवास नागर, मोहित वाल्मीकि, समर्थ व्यास सहित अन्य कई लोग मौजूद रहे।

कांग्रेस सेवादल ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाई

बारां, (रॉयल पत्रिका)। मीडिया प्रभारी पार्षद ज़ाकिर खान ने बताया कि श्रीजी चौक स्थित कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस सेवादल द्वारा जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव की अध्यक्षता में भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी को विनम्र श्रद्धांजलि दी। जिला अध्यक्ष शिवशंकर ने श्रद्धांजलि देने के दौरान अपने वक्तव्य में कहा कि अपनी दूरदर्शी सोच से भारत को नई दिशा देने वाले, युगदृष्टा, पूर्व प्रधानमंत्री शभारत रत्न स्व. राजीव गांधी के बलिदान को देश कभी नहीं भूल सकता। देश में सूचना एवं संचार क्रांति के जनक स्व. राजीव गांधी ने आधुनिक भारत की नींव रखी तथा युवा सशक्तिकरण, पंचायतीराज को सुदृढ़ करने जैसे अनेक ऐतिहासिक फैसले लिए। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है। भारत की प्रगति में उनका असाधारण योगदान सदैव याद किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश सचिव अशरफ देशवाली, ब्लॉक अध्यक्ष लेखराज शर्मा, नगर अध्यक्ष रोहित गुर्जर, युवा नेता अजय सेनी, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष प्रत्याशी विजय बैरवा, राजेंद्र कुमार, मारूफ लाला, कुलदीप मीणा भूलहेड़ी, आशाराम बैरवा, रामप्रकाश बैरवा, रहीम खान आदि मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने किया शहर का निरीक्षण, व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के दिए निर्देश

-सीवरेज लाइन, सड़कों की मरम्मत, पेयजल आपूर्ति तथा निर्माणाधीन कार्यो का लिया जायजा

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने मंगलवार दोपहर शहर का निरीक्षण कर जनहित से जुड़ी आवश्यक सेवाओं और निर्माण कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सीवरेज लाइन, सड़कों की मरम्मत, पेयजल आपूर्ति तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाए और निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी कार्य पूरे किए जाएं। उन्होंने शहर में सीसी रोड़ मरम्मत व अन्य खराब सड़कों की शीघ्र मरम्मत एवं सार्वजनिक उपयोग की निर्माणाधीन परियोजना सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट शाहाबाद रोड़ स्थित के कार्यो की गुणवत्ता और प्रगति देखी और समयबद्ध रुप से कार्य पूरे करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने कहा कि बढ़ती गर्मी के कारण आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शुद्ध पेयजल की आपूर्ति, स्वच्छता व्यवस्था, और यातायात की सुगमता जैसे बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। निरीक्षण के दौरान पीएचईडी एसई आलोक गुप्ता, अधिशासी अभियंता भुवनेश मीणा, तथा सहायक अभियंता मानसिंह सिंह मीणा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आह्वान पर वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। तहफ्फुज ए ओकाफ कमेटी के प्रेस प्रवक्ता शाहिद इकबाल भाटी ने जानकारी देते हुए बताया कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने 22 मई को एक विशाल धरना प्रदर्शन का आह्वान किया है। यह प्रदर्शन वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ होगा अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी जिला बारां की जानिब से तहफ्फुज-ए-ओकाफ कमेटी के द्वारा मांगरोल रोड पर भाईजान के मकान के सामने दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक किया जाएगा, जिसका समर्थन सभी मुस्लिम संगठनो के द्वारा किया गया है।

अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी के सचिव आबिद हुसैन अंसारी द्वारा बताया गया कि धरने प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य वक्फ संशोधन कानून 2025 को रद्द करने की मांग, वक्फ़ बोर्ड की स्वायत्ता की रक्षा, वक्फ सम्पत्तियों पर सरकारी हस्तक्षेप बंद करना व संवैधानिक और धार्मिक अधिकारों की रक्षा करना है वहीं तहफ्फुज-ए-ओकाफ कमेटी के कन्वीनर मोलाना अख्तर नदवी ने कहा कि प्रदर्शन की सूचना प्रशासन को दी गई है। शांति पूर्ण आयोजन के लिए पुलिस व्यवस्था रहेगी, वक्फ एक्ट मुस्लिम धरोहर और संवैधानिक अधिकारों का हमला है। यह शांति पूर्ण प्रदर्शन संविधान और सामाजिक सौहार्द की रक्षा के लिए किया जाएगा।

साथ ही प्रदर्शन को कामयाब बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में सभी धर्मों के शांति प्रिय लोगो से शामिल होकर एकता और संविधानिक मूल्यों की रक्षा करने के लिए अपील की गई है। धरना प्रदर्शन के उपरांत प्रशासन को ज्ञापन सौंप वक्फ एक्ट रद्द करने की मांग की जाएगी।

भाजपा ने निकाली तिरंगा शौर्य यात्रा, कई सामाजिक संगठन ने लिया भाग

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी सवाई माधोपुर द्वारा आज मिशन सिंदूर की सफलता को लेकर जिला मुख्यालय पर तिरंगा शौर्य यात्रा निकाली गई। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि तिरंगा शौर्य यात्रा का शुभारंभ जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन के पास स्थित सिटी सेंटर मॉल से हुआ। तिरंगा शौर्य यात्रा के शुभारंभ से पूर्व सिटी सेंटर मॉल पर एक सभा का आयोजन किया गया जिसको उपस्थित भाजपा नेताओं एवं सामाजिक संगठनों के प्रमुखों ने संबोधित किया। तिरंगा शौर्य यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, विशिष्ट अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री एवं स्थानीय विधायक डॉ. किरोडीलाल मीणा, खंडार विधायक और भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र गोठवाल, भरतपुर संभाग प्रभारी हेमराज मीणा, सहसंभाग प्रभारी सोमकांत शर्मा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नारायण मीणा, खंडार प्रधान नरेन्द्र चौधरी, बामनवास प्रधान शशिकला मीणा, गंगापुर प्रधान मंजू गुर्जर उपस्थित रहे। तिरंगा शौर्य यात्रा मुख्य बाजार से होते हुए अंबेडकर सर्किल तक पहुंची जहां राष्ट्रगान गाकर यात्रा का समापन किया। इस दौरान तिरंगा शौर्य यात्रा मे पूर्व विधायक हंसराज शर्मा, पूर्व सैनिक गजेंद्र सिंह, सुरेन्द्र पाल, भारत माता रथ में व्योमिका सिंह, कर्नल सोफिया कुरैशी, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रेमप्रकाश शर्मा, सुरेश जैन, भरत मथुरिया, गंगापुर सिटी सभापति शिवरतन अग्रवाल, यात्रा के विधानसभा संयोजक आचार्य लोकेंद्र शर्मा, सहसंयोजक अशोकराज मीणा, भवानी सिंह मीणा, बलवीर सिंह राजावत, महेंद्र दीक्षित, सत्यनारायण धाकड़, हरिओम गर्ग, उदयसिंह गुर्जर, चंपालाल मीणा, मानवेंद्र सिंह राजावत, मीरा सैनी, अलका शर्मा, नीलकमल जैन, ओमप्रकाश डंगोरिया, ओम सुवालका, श्रीचरण महावर, हरफूल मरमट, मुरली गौतम, आकाश भारद्वाज, मुकेश शर्मा, मेहनाज पटेल, संतोष मथुरिया, सुमन कंवर, प्रीति पाराशर, कनकलता शर्मा, गीता जैलिया, दीपिका सिंह, जिला मंत्री गिरधारी सोनी, देवेंद्र राठौड़,शुभम भारद्वाज, मनीष शर्मा, प्रणव गौतम, मुकेश शर्मा, रामपाल बालोत, बनवारी जाट, तनवीर अहमद, ओम प्रकाश शर्मा, सुधीर शर्मा, मुरली गौतम, हरीबाबू जीनगर सहित भाजपा एवं सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

ग्राम पंचायत गम्भीरा में जिला विधिक चेतना समिति ने जागरूकता शिविर का किया आयोजन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार बुधवार को जिला विधिक चेतना समिति के सदस्य कृष्णपाल एवं अधिकार मित्र मुकेश कुमार शर्मा द्वारा ग्राम पंचायत गम्भीरा में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के संबंध में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

आयोजित जागरूकता शिविर में जिला विधिक चेतना समिति सवाई माधोपुर के सदस्य कृष्ण पाल द्वारा उपस्थित ग्रामवासियों को माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के तहत वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त कानूनी सहायता, वरिष्ठ नागरिकों के लिये संचालित कल्याणकारी योजनाओं जैसे वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना एवं अन्य सरकारी योजनाओं व नीतियों, नालसा (वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2016 के तहत वरिष्ठ नागरिकों को प्राप्त निःशुल्क विधिक सहायता, वरिष्ठ नागरिकों के हितों के लिए विधिक सेवा प्राधिकरणों एवं विधिक सेवा समितियों द्वारा संचालित की जाने वाली गतिविधियों, वरिष्ठ नागरिक पंजीकरण, वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे, रोडवेज एवं अन्य क्षेत्रों में मिलने वाली रियायत, वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा, वरिष्ठ नागरिकों के लिये संचालित वृद्धाश्रमों का महत्व, भारत में गरीब वृद्धजनों से संबंधित चुनौतियों एवं उनके निवारण के उपायों के संबंध में जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया। इस मौके पर अधिकार मित्र मुकेश शर्मा के द्वारा बताया गया कि हमें अपने घर परिवार में वृद्धजनों का ध्यान रखना चाहिए ।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने उपकारागृह का निरीक्षण कर लिया जायजा

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा बुधवार को उप कारागृह गंगापुर सिटी का मासिक निरीक्षण किया गया। सचिव समीक्षा गौतम द्वारा मौके पर उपस्थित जेलर सुखवीर सिंह से उप कारागृह में बंदियों की संख्या, प्रथम बार अपराध करने वाले बंदियों के नाम, पता एवं उनकी संख्या, बंदियों को प्रदान भोजन, पेयजल, चिकित्सकीय सुविधाओं के संबंध में पूछताछ की गई। साथ ही कारागृह परिसर एवं बैरकों की साफ-सफाई के संबंध में जांच की गई।

सचिव समीक्षा गौतम द्वारा बंदियों से वार्ता कर उनके मुकदमों, संबंधित न्यायालय, परिजनों से बातचीत के समय आदि, अपने मुकदमों की पैरवी हेतु अधिवक्ता की उपलब्धता आदि के संबंध में पूछताछ की गई एवं उनकी समस्याओं को सुना गया। दौराने निरीक्षण कुल 79 बंदी उपस्थित पाएं गएं। बंदियों द्वारा पूछताछ के दौरान जेल में पानी की समस्या से अवगत करवाया गया । इस संबंध में जेलर सुखवीर सिंह को संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर पानी की समस्या का निवारण करवाने एवं समस्या का निवारण नहीं होने की स्थिति में कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर को अवगत करवाने हेतु निर्देशित किया गया। शिकायत पेटिका को खोलकर देखा गया, शिकायत पेटिका में कोई शिकायत नहीं पाई गई। साथ ही सचिव समीक्षा गौतम द्वारा उप कारागृह परिसर में स्थित प्रिजन लीगल एड क्लीनिक का विजिट किया गया तथा जेल विजिटिंग लॉयर संतोष कुमार से प्रिजन लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से बंदियों को उपलब्ध करवाई जा रही निशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता के संबंध में पूछताछ की गई।

निरीक्षण के दौरान सचिव समीक्षा गौतम द्वारा बंदियों के कानूनी अधिकारों, बंदियों के कल्याण की योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान कर उपस्थित बंदीजन को अपराधों एवं नशे से दूर रहने के लिये प्रेरित किया गया।

जल जीवन मिशन की प्रगति समीक्षा बैठक

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। जल जीवन मिशन एवं ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था की समीक्षा को लेकर बुधवार को वृत कार्यालय, हनुमानगढ़ में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जल जीवन मिशन निदेशक कमर उल जमान चौधरी (आईएएस) ने की। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत योजनाओं की वर्तमान प्रगति, ग्रीष्मकालीन पेयजल आपूर्ति व्यवस्था, समर कंटीजेंसी, नहरबंदी, कलक्टर कंटीजेंसी एवं बजट घोषणाओं से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गई।

चौधरी ने मिशन से जुड़े शेष कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों, आंगनबाड़ियों और स्वास्थ्य केंद्रों पर जल्द से जल्द पेयजल कनेक्शन उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही,

जल पाइपलाइन बिछाने के दौरान ग्राम पंचायत की क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की समयबद्ध मरम्मत करने के निर्देश भी दिए गए। मिशन निदेशक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी विभागीय योजनाओं को तेजी से और सतर्कता के साथ पूरा करें। किसी भी स्तर पर कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक के बाद चौधरी ने जिला कलक्टर काना राम से जिले की पेयजल स्थिति को लेकर चर्चा की। इसके उपरांत उन्होंने मसीतावाली हैड और संबंधित नहरों का निरीक्षण किया तथा जल जीवन मिशन के कार्यस्थलों का भी दौरा किया।

शतरंज प्रतियोगिता 24 से 25 मई को पाली में आयोजित की जायेगी

-देशभर से 150 खिलाड़ी आएंगे

पाली, (रॉयल पत्रिका)। डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन पाली की ओर से 24-25 मई को पाली के नया बस स्टैंड के निकट एक होटल में ओपन शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसको लेकर पाली चेस एसोसिएशन के पदाधिकारी तैयारियों में जुटे हैं। एसोसिएशन के सचिव चंद्रशेखर सोनी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देशभर से 150 खिलाड़ी आएंगे। प्रतियोगिता में 30 इनाम,65 ट्राफी और सांत्वना पुरस्कार खिलाड़ियों को दिए जाएंगे।

जिला स्तरीय कार्यशाला 26 मई को

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिले में निवेशकों द्वारा स्थापित किए जाने वाले प्रोजेक्टस स्थापना के लिए पात्रता एवं उन्हें देय विभिन्न परिलाभ की पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने एवं योजना के अंतर्गत उद्यमी या निवेशकों की सवालों के समाधान के लिए 26 मई को मंडिया रोड इण्ड. एसोसिएशन भवन में प्रातः 11 से दोपहर 2 बजे तक जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र महाप्रबंधक एवं संयुक्त आयुक्त सैय्यद रज्जाक अली ने बताया कि राज्य में विभिन्न सेक्टर्स में औद्योगिक निवेश बढ़ाने एवं रोजगार के नये अवसर सृजित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं जारी की गई है जिनमें राजस्थान एक जिला एक उत्पाद नीति (टेक्सटाईल प्रोसेस), राजस्थान एमएसएएमई नीति, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलीसी, राजस्थान लॉजेस्टिक पॉलीसी, राजस्थान टैक्सटाईल एवं एपेरल पॉलीसी, राजस्थान डाटा सेंटर पॉलीसी, इन्टीग्रेटेड कलस्टर डवलपमेंट स्कीम कार्यशाला में शामिल है। कार्यशाला में आयुक्त उद्योग एवं वाणिज्य विभाग जयपुर, अतिरिक्त आयुक्त उद्योग एवं वाणिज्य जयपुर, जिला कलक्टर, लीड बैंक अधिकारी, मुख्य बैंकर्स, रीको, प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, कृषि विपणन बोर्ड, वाणिज्य कर विभाग, ऊर्जा विभाग, एवं चार्टड लेखाकार एसोशिएशन के पदाधिकारी एवं जिले के मुख्य उद्यमी भाग लेंगे।

महावीर माथोड़िया बने धाकड़ महासभा के जिलाध्यक्ष

बारां, (रॉयल पत्रिका)। श्री धाकड़ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र नागर की सहमती से प्रदेश अध्यक्ष इन्द्र सिंह मंडलोई ने बारां जिलाध्यक्ष पद पर महावीर माथोड़िया को नियुक्त किया। माथोड़िया की नियुक्ति से पूरे समाज में ख़ुशी की लहर है। समाज के सैकड़ो युवाओं ने सोशल मीडिया व फ़ोन के माध्यम से बधाई एव शुभकामनाएँ प्रेषित की।

माथोड़िया युवा उम्र से ही समाज में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। माथोड़िया वर्तमान में धाकड़ पंचायत व धरणीधर महोत्सव समिति के अध्यक्ष भी है। माथोडिया ने सभी समाज के संघटन व समाज बंधुओं को साथ लेकर चलने व समाज को उन्नति के कार्य करने हेतु सभी को सहयोग करने की अपील की। माथोड़िया की नियुक्ति पर समाज के सभी संगठनों द्वारा बधाइयाँ दी। प्रदेश मंत्री राजू देवपुरा, जिला आध्यक्ष महावीर माथोड़िया, धाकड़ युवा संघ के जिलाधयश श्याम इकलेरा का माथोड़िया के आवास पर युवाओं के साथ स्वागत सत्कार किया।

स्वागत में युवा क्लब अध्यक्ष महेंद्र नोहल्या, कर्मचारी संघ अध्यक्ष ललित रटावद, छात्र परिषद के अक्षय लुहारिया, धाकड़ पंचायत के तोलाराम, राधाकिशन बंबोरी, बिरधीलाल एक्सरे, रामेश्वर संबलपुर, ओम नोहल्या, हरिशंकर खेड़ली मांझर, मनीष खेड़ली, कांतिप्रकाश नागर, महेंद्र लुहारिया, पूरणमल, राधेश्याम लथुरी, रामचरण सहरोद, प्रेम नाहरगढ़, शिव सहरोद, त्रिलोक बांसथूनी, गजेंद्र फतेहपुर, संजय माथना, निर्मल बंबोरी, दीपू रानीहेड़ा, पार्षद मदनमोहन नागर, मयंक माथोडिया, पुरुषोत्तम नागर, हेमन्त सिमली, कोशल इकलेरा, उमेश खेराली, कपिल बामला मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए जयशंकर टाईगर क्लब की टीम जयपुर रवाना

भरतपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य स्तरीय रेगुलर सब जूनियर, कैडेट, जूनियर एवं सीनियर बालक/बालिका ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2025 में भाग लेने के लिए जयशंकर टाईगर क्लब भरतपुर टीम जयपुर रवाना हुई। न्यू पुष्पवाटिका स्थित ग्लोब यूनिफाइड स्कूल भरतपुर के चेयरमेन वीरेन्द्र चौधरी एवं निर्देशक अंचल सत्या फौजदार के मार्गदर्शन में और मुख्य चयनकर्ता ताइक्वांडो नेशनल रैफरी एवं एन आई एस कोच पीयूष जयशंकर टाईगर के निर्देशन में खिलाड़ियों का चयन हुआ।

ताइक्वांडो महिला प्रशिक्षक दीप्ति शर्मा ने बताया की सब जूनियर वर्ग में यशिका राजपूत, राम्या शर्मा, अमित निर्भय पहलवान, वंशिका सेन, प्रबल लवानिया, योगेश। कैडेट वर्ग में युवराज सिंह, जिग्नेश गुर्जर, सौरभ सेन एवं तन्मय शर्मा। जूनियर वर्ग में यशोदा कुमारी, विशाल जाटव, गुड़िया सेन, रौनक कोली। सीनियर वर्ग में राहुल जाटव, लवली माहौर, अमन जाटव, चारू शर्मा, दीक्षा सिंह, तुषार पठानिया का चयन किया गया।

ग्लोब यूनिफाइड स्कूल भरतपुर के चेयरमेन वीरेन्द्र चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ताइक्वांडो दिमाग और ताकत का खेल है आशा है भरतपुर के खिलाड़ी इस खेल में अन्य खेल क्षेत्रों की भांति ही भरतपुर जिले एवं राज्य का नाम रोशन करेंगे।

ग्लोब यूनिफाइड स्कूल भरतपुर की निर्देशक अंचल फौजदार ने कहा कि हमें खिलाड़ियों विशेषकर महिला खिलाड़ियों को खेलने का मौका देना चाहिए, क्योंकि मातृशक्ति मजबूत होगी तो आने वाली पीढ़ियां भी खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश का नाम रोशन करेंगे।

इस मौके पर क्लब की अध्यक्षा प्रतिभा शर्मा, नेशनल जूडो चैंपियन पोहप सिंह, ग्लोब यूनिफाइड स्कूल के व्यवस्थापक सतेन्द्र फौजदार, आरती शर्मा, रवि सिनसिंवार, होती शर्मा, जूही सिंह, कराटे संघ उपाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, नेशनल कराटे चैंपियन नेहा टाईगर, नेशनल ताइक्वांडो चैंपियन ऐश्वर्य शर्मा एवं राम्या शर्मा, नेशनल यूनिवर्सिटी चैंपियन लवली माहौर, चारू शर्मा, दीक्षा सिंह, तुषार पठानिया, राहुल जाटव, कुशाग्र गोयल, माधव सिंह ने सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए रवाना किया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय मिसाइलों की बढ़ी डिमांड, उछलेगा डिफेंस एक्सपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने जो अपनी ताकत दिखाई है, उससे हमारा डिफेंस एक्सपोर्ट और अधिक बढ़ जाएगा। भारत में लगभग 100 कंपनियां रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रही हैं। केंद्र सरकार ने साल 2024-25 के लिए रक्षा बजट के लिए 6.21 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो पिछले वित्तीय वर्ष में आवंटित 5.94

लाख करोड़ रुपये से 4.3 प्रतिशत अधिक है। भारत डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भर बनने के प्रयास में ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों से लेकर तोपखाने व बंदूकों तक विभिन्न प्रकार के हथियारों के अपने निर्यात का विस्तार कर रहा है। यह विकास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली के प्रयास के हिस्से के रूप में आता है। भारत ने 2024-25 तक वार्षिक रक्षा निर्यात को 35,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

शुद्ध निर्यातक देश बनने की राह पर भारत- भारत रक्षा उपकरणों का शुद्ध निर्यातक देश बन जाने की राह पर अग्रसर हो चुका है। आज भारत से रक्षा उपकरण ले रहे देशों की सूची में कतर, लेबनान, इराक, इक्वाडोर और जापान जैसे देश भी शामिल हैं, जिन्हें भारत बॉडी प्रोटेक्टिंग उपकरण भी

धोखाधड़ी रोकने के लिए बहुत जल्द हर बैंक का होगा अपना एक नेशनल कॉलिंग नंबर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत जल्द ही हर बैंक को अपना एक नेशनल कॉलिंग नंबर देने की मंजूरी दे सकता है, जिसमें इनकमिंग कॉल की सुविधा भी शामिल होगी। इसका उद्देश्य ग्राहकों के लिए बैंकों के कॉल और मैसेज को पहचानना आसान बनाना और धोखाधड़ी रोकना है। बैंकिंग उद्योग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बैंकों ने सरकार के सामने 1600×× सीरीज में प्रत्येक के लिए एक अलग नंबर का प्रस्ताव रखा है। इस पर जल्द ही अमल होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने कहा, प्रत्येक बैंक का अपना राष्ट्रीय नंबर होने और उस पर इनकमिंग कॉल की सुविधा से ग्राहकों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ेगी। हमने इस मुद्दे पर सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ चर्चा की है। जल्द ही स्पष्ट दिशा-निर्देश मिलने की उम्मीद है।

क्या होगा फायदा

एक बड़ा सवाल यह है कि क्या तीसरे पक्ष के रिकवरी एजेंटों को भी इन नंबरों का उपयोग करना होगा एक अधिकारी ने कहा, इस पर आरबीआई और टेलीकॉम नियामक ट्राई से स्पष्टीकरण जरूरी है। इस पहल से न केवल ग्राहकों को विश्वसनीय कॉल की पहचान करने में मदद मिलेगी, बल्कि ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में भी कमी आने की संभावना है।

पाकिस्तान का कर दिया बुरा हाल, अब भारत से भी बाहर होगा चीनी माल!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच हाल में हुए संघर्ष में चीन में बने सामान की गुणवत्ता एक बार फिर जगजाहिर हो गई है। पाकिस्तान ने इस संघर्ष में बड़े पैमाने पर चीन के हथियारों और रक्षा साजोसामान का यूज किया लेकिन ये किसी काम के नहीं निकले। इसमें पाकिस्तान का साथ देने वाले चीन के खिलाफ भारत ने अब अपना रुख कड़ा कर दिया है। सरकार चीन से आने वाले छोटे घरेलू उपकरणों और इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर लगाम लगाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार ने सुरक्षा नियमों को और सख्त कर दिया है।

हाल ही में पता चला था कि चीन से आने वाले कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण घटिया क्वालिटी के हैं। अब कुछ खास तरह के उपकरणों पर बीआईएस का मार्क होना जरूरी होगा। इनमें इलेक्ट्रिक रिक्लाइनर, फर्नीचर, व्हर्लपूल बाथ, स्पा, इलेक्ट्रिक टॉयलेट, कपड़े सुखाने की मशीन, तौलिया गरम करने वाले उपकरण और इलेक्ट्रिक ब्यूटी प्रोडक्ट्स शामिल हैं। ये सभी उपकरण बिजली या बैटरी से चलते हैं।

कबसे लागू होगा आदेश

ईटी की एक खबर के मुताबिक चीन से आयात पर सख्ती का एक मकसद यह भी है कि सरकार देश में ही इन चीजों का उत्पादन बढ़ाना चाहती है। इससे घरेलू उद्योगों को फायदा होगा और उपभोक्ताओं को घटिया किस्म के सामान से बचाया जा सकेगा। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने इस बारे में 19 मई को एक आदेश जारी किया है। डीपीआईटी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आता है। यह आदेश 19 मार्च, 2026 से लागू होगा।

- **किन-किन पर होगी सख्ती-** उद्योग संगठन इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के चीफ इवेंजेलिस्ट सलिल कपूर ने कहा कि यह एक स्वागत योग्य कदम है। इससे छोटे घरेलू उपकरणों के लिए भारत में ही उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह आत्मनिर्भर उपकरण उद्योग के अनुरूप है। उन्होंने आगे कहा कि इससे उपभोक्ताओं को भी बहुत फायदा होगा, क्योंकि छोटे उपकरणों की गुणवत्ता और स्पेसिफिकेशन्स तय हो जाएंगे। यह आज की जरूरत है। अभी तक लगभग 23 बिजली के उत्पादों को क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर में शामिल किया गया है। इनमें मिक्सर ग्राइंडर, सीलिंग फैन, गीजर, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन और इंडक्शन स्टोव जैसे उपकरण शामिल हैं। नए आदेश के अनुसार बड़ी कंपनियों को 19 मार्च 2026 से नियमों का पालन करना होगा। छोटी कंपनियों को 19 जून, 2026 से और सूक्ष्म उद्यमों को 19 सितंबर 2026 से इन नियमों का पालन करना होगा।
- **वोकल फॉर लोकल-** हालांकि सभी इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को सुरक्षा मानकों को पूरा करना होगा लेकिन सरकार ने कुछ उत्पादों की एक लिस्ट भी दी है। इस लिस्ट में इलेक्ट्रिक शेवर, हेयर क्लिपर, इलेक्ट्रिक फ्राइंग पैन, स्टीम कुकर, कीट नाशक, कॉफी मेकर, इलेक्ट्रिक कैन ओपनर, इलेक्ट्रिक सिट्रस फ्रूट स्क्वीजर, एगबीटर, आउटडोर बारबेक्यू, बैटरी से चलने वाले मसाजर, फुट वार्मर, हीटिंग पैड, टूथब्रश और शेवर शामिल हैं।

जीरो पेस्टिसाईड रेज़िड्यू एलमंड्स: बादाम की श्रेणी में नया इनोवेशन

भोपाल। पिछले कुछ सालों में लोग अपने आहार को लेकर काफी सावधान हो गए हैं। बदलती जीवनशैली और ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों के बीच बादाम की श्रेणी में भी इनोवेशन हो रहा है। नए लॉन्च किए गए बोर्जेस जीरो पेस्टिसाईड रेजिड्यू (जैडपीआर) एलमंड्स की लोकप्रियता ग्राहकों के बीच बढ़ रही है क्योंकि ये स्नैक्स का एक माइंडफुल विकल्प हैं। बोर्जेस जीरो पेस्टिसाईड रेजिड्यू (जैडपीआर) एलमंड्स में पेस्टिसाईड के अवशेष प्रति किलोग्राम 0.01 मिलीग्राम से कम या 0.01 पीपीएम हैं, जो एक स्वतंत्र यूरोपियन लैब द्वारा प्रमाणित मानक है। ग्राहक इसकी पुष्टि पैक पर दिए गए एक क्यूआर कोड को स्कैन करके कर सकते हैं। बैच नंबर डालने पर उन्हें सर्टिफिकेट मिल जाता है। बोर्जेस इंडिया ने भारत में ग्राहकों की विकसित होती हुई जरूरतों को पूरा करने के लिए जैडपीआर एलमंड्स बाजार में उतारे हैं। स्वच्छ और पोषक आहार की बढ़ती मांग के साथ बोर्जेस जैडपीआर एलमंड्स भारत में स्नैक का अद्वितीय विकल्प प्रदान करके इस मांग को पूरा कर सकते हैं। ये बादाम स्पेनिश ओरिजिन के है और अपनी नेचुरल मिठास के लिए विख्यात है। साथ ही ये बादाम हल्के भुने हुए और कुरकुरे हैं और इनका स्वाद बहुत ही अच्छा है।

बोर्जेस ऐसे उत्पाद पेश करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो ग्राहकों के लिए उपयोगी हों, ऐसे उत्पाद, जो क्वालिटी, स्वास्थ्य और सस्टेनेबिलिटी को प्राथमिकता देते हों। जैडपीआर एलमंड्स सहित बोर्जेस के सभी उत्पाद लोगों को अपने दैनिक जीवन में ज्यादा समझदार और सेहतमंद विकल्प चुनने में मदद करने के लिए बनाए गए हैं। बोर्जेस के उत्पाद स्वच्छ, पोषक और सर्वोच्च क्वालिटी के हैं, जो विश्व में सेहतमंद और सुविधाजनक आहार की मांग को पूरा करते हैं।

बोर्जेस जीरो पेस्टिसाईड रेजिड्यू (जैडपीआर) एलमंड्स इतने लोकप्रिय क्यों हैं, इसका कारण है कि ये एलमंड्स माइंडफुल स्नैकिंग और स्वस्थ जीवनशैली के लिए उत्तम हैं। बोर्जेस जैडपीआर एलमंड्स अपने भरपूर पोषण के लिए मशहूर हैं। ये ग्लूटेन-फ्री हैं, इनमें फाईबर भरपूर मात्रा में हैं और ये प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं। ये कोलेस्ट्रॉल और ट्रांस-फैट फ्री हैं। इसलिए ये दिन में किसी भी वक्त खाने के लिए एक स्वस्थ आहार हैं। जैडपीआर एलमंड्स की बढ़ती मांग प्राकृतिक और स्वच्छ उत्पादों की ओर ग्राहकों का झुकाव प्रदर्शित करती है। बोर्जेस जैडपीआर एलमंड्स भारत में पूरी पारदर्शिता और विश्वास के साथ उपलब्ध हैं। उत्पाद की विश्वसनीयता जाँचने के लिए ग्राहक पैक के पीछे दिया गया क्यूआर कोड स्कैन करके जीरो पेस्टिसाईड रेजिड्यू के लिए सर्टिफिकेट डाउनलोड कर सकते हैं। स्नैकिंग के ज्यादा विकल्प प्रदान करने के लिए बोर्जेस द्वारा जैडपीआर एलमंड बाजार में दो वैरिएंट में पेश किए गए हैं।

द जायंट व्हील फेस्टिवल वापस आ गया है आपके शहर में

मुंबई। अब आम जिंदगी पर ब्रेक लगाने का समय आ गया है – क्योंकि शहर का सबसे वाइब्रंट उत्सव फिर लौट आया है। द जायंट व्हील फेस्टिवल का 5वां संस्करण 30 मई से 1 जून तक आर सिटी मॉल, घाटकोपर में आयोजित होने जा रहा है, और ये लेकर आ रहा है मस्ती, कल्पना और आपके पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर्स की एक जादुई दुनिया।

शिन चेन, ओगी, हनी बनी, नारुतो हां – ये सभी एक ही छत के नीचे आ रहे हैं। हर उम्र के फैंस से मिलने के लिए तैयार हैं। चाहे आप हमेशा से कार्टून के दीवाने रहे हों या अब अपने बच्चों का इनसे परिचय करा रहे हों – यही वो जगह है जहाँ जादू हकीकत बनता है। यहां आप एआर (ऑगमेंटेड रियलिटी) से भरपूर रोमांचक एडवेंचर्स, मजेदार और रचनात्मक वर्कशॉप्स, हैरान कर देने वाले मैजिक शोज़ और और हर कोने में छिपे ढेरों सरप्राइज़ की उम्मीद कर सकते हैं।

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी एस25 एज के लिए प्री-बुकिंग की घोषणा की; कीमत 109,999 रुपये से शुरू

गैलेक्सी एस25 एज का प्री ऑॅर्डर करने वाले ग्राहकों को 12 हजार रुपये मूल्य का फ्री स्टोरेज अपग्रेड मिलेगा

ग्राहक डिवाइस पर 9 महीने तक की नौ-कॉस्ट ईएमआई का भी लाभ उठा सकते हैं

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने श्रेणी को परिभाषित करने वाले गैलेक्सी एस25 एज के लिए प्री-बुकिंग शुरू कर दी है। यह गैलेक्सी एस सीरीज़ का सबसे स्लिम स्मार्टफोन है। स्टाइल और ताकत को ध्यान में रखकर बनाया गया, गैलेक्सी एस25 मजबूत टाइटेनियम बॉडी में प्रीमियम, प्रो-लेवल परफॉर्मेंस का नया बैलेंस प्रदान करता है। एस25 एज ए सीरीज़ की विरासत को आगे बढ़ाता है, इसमें एक आइकॉनिक गैलेक्सी एआई-इनेबल्ड कैमरा दिया गया है और यह एक पोर्टेबल डिवाइस में रचनात्मकता के नये द्वार खोलता है।

असाधारण रूप से पतला और मजबूत डिज़ाइन- गैलेक्सी एस25 एज, 5.8 द्भद्व के पतले चेसिस के साथ, इंजीनियरिंग की दुनिया में एक शानदार उपलब्धि है। यह स्मार्टफोन डिज़ाइन के लगभग हर तत्व को फिर से परिभाषित करता है। इसका हल्का महज 163 ग्राम वजन वाला फ्रेम स्टाइल और कार्यक्षमता दोनों में अव्वल है। यह स्लिम स्मार्टफोन्स को नए स्तर पर ले जाता है और गैलेक्सी ए सीरीज़ की एकजैसी डिज़ाइन को बनाए रखता है। अपनी खूबसूरत, स्लिम डिज़ाइन के साथ यह फोन बेजोड़ मजबूती भी लेकर आता है। इसके घुमावदार किनारे और मज़बूत टाइटेनियम फ्रेम रोज़मर्रा के इस्तेमाल में शानदार सुरक्षा देते हैं। फ्रंट डिस्प्ले में इस्तेमाल हुआ नया कॉर्निंग0 गोरिल्ला0 ग्लास सिरैमिक 2 न सिर्फ बेहतरीन चमक देता है, बल्कि असाधारण मजबूती भी प्रदान करता है।

पॉकेट में आने वाले 200एमपी कैमरे के साथ रचनात्मकता

गैलेक्सी एस25 एज का पतला और हल्का डिज़ाइन यूजर्स के लिए कभी भी, कहीं भी यादगार पल कैप्चर करना और अपनी क्रिएटिविटी दिखाना आसान बनाता है। 200एमपी का वाइड लेंस गैलेक्सी ए सीरीज़ के शानदार कैमरा अनुभव को बरकरार रखता है और नाइटोग्राफी को नए स्तर पर ले जाता है। इसकी अल्ट्रा-हाई रेजोल्यूशन से तस्वीरें बेहद शार्प और कम रोशनी में 40त्न बेहतर चमक के साथ स्पष्ट रहती हैं। यह स्मार्टफोन 12एमपी के अल्ट्रा-वाइड सेंसर ऑटोफोकस के साथ आता है, जो मैक्रो फोटोग्राफी को और रचनात्मक बनाता है जिससे और अधिक रचनात्मक लचीलापन मिलता है।

पटेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने यूपी के निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस प्रोजेक्ट पर 24 घण्टे में सड़क निर्माण का विश्व रिकॉर्ड बनाया

हरदोई और उन्नाव के बीच रिकॉर्ड तोड़ समय में 6 लेन का एक्सप्रेसवे तैयार किया

इस रिकॉर्ड को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया 34.24 किलोमीटर लम्बा एक्सप्रेसवे बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के निर्माण क्षेत्र में योगदान देने वाली अग्रणी कंपनियों में से एक पटेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (पटेल), गुजरात ने 6 लेन के गंगा एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट का सबसे तेज़ निर्माण कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है, जो एक राज्य के स्वामित्व का भारत का सबसे लम्बा एक्सप्रेसवे है, तथा उत्तर प्रदेश राज्य के प्रगतिशील एवं दूरदर्शी मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी का ड्रीम प्रोजेक्ट भी है।

इस विश्व रिकॉर्ड के तहत 24 घण्टे के भीतर बिना रुके कार्य करते हुए 20,105 मीट्रिक टन बिटुमिनस कॉन्क्रीट के इस्तेमाल से 171,210 वर्गमीटर को कवर कर 34.24 किलोमीटर का बिटुमिनट कॉन्क्रीट बिछाया गया तथा पटेल एंसीलरी कंपनी रोड शील्ड प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 10 किलोमीटर के मैटल बीम क्रैश बैरियर का इंस्टॉलेशन किया गया। इस उपलब्धि को तीन मुख्य प्रतिष्ठित संस्थानों - गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ

रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता प्रदान कर आधिकारिक रूप से प्रमाणीकृत किया गया है।

यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) के सीईओ श्री मनोज कुमार सिंह की दूरदर्शिता एवं निगरानी में यह विश्व रिकॉर्ड संभव हो पाया। स्थानीय एवं राज्य अधिकारियों के पूर्ण सहयोग से इस प्रोजेक्ट का पूरा होना स्थानीय क्षेत्र एवं उत्तर प्रदेश राज्य दोनों के लिए महत्वपूर्ण है, जो राष्ट्रीय संपर्क को सुदृढ़ करने एवं क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय भूमिका निभाएगा।

रिकॉर्ड बनाने का प्रयास प्रतिष्ठित गंगा एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट (ग्रुप 3) पर किया गया, जो अदानी ग्रुप की कंपनी अदानी रोड एण्ड ट्रांसपोर्ट लिमिटेड (एआरटीएल) का एक प्रोजेक्ट है। जिसका नेतृत्व हरदोई एवं उन्नाव ज़िलों के बीच यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) द्वारा किया गया है। यह काम 17 मई 2025 सुबह ठीक 5 बजे शुरू हुआ और लक्ष्य के मुताबिक 18 मई 2025 को सुबह 5 बजे पूरा हो गया। महज 24 घण्टे के भीतर इसे सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए इंजीनियरों, आधुनिक मशीनरी, मटीरियल एवं कुशल श्रमिकों ने अद्भुत समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया। श्री अरविंद पटेल, मैनेजिंग डायरेक्टर, पटेल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने कहा, ''हमें गर्व है कि हम इस तरह की उपलब्धियों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड ही नहीं है बल्कि हमारी टीम के दृढ़ इरादे और भारतीय इंजीनियरों की क्षमता का प्रमाण है।''

कम रेटिंग वाली ब्लू-चिप कंपनियों में निवेश करना है तो इस म्यूचुअल फंड पर लगा सकते हैं दांव

मुंबई, एजेंसी। जब शेयर बाजार में कोहराम मचा था, जब अपना आईपीओ बाजार भी सूना था। लेकिन शेयर बाजार में सुधार आने के बाद अब आईपीओ बाजार में नए इश्यू आने लगे हैं। इसी के साथ म्यूचुअल फंड बाजार में भी नए फंड ऑफर आने लगे हैं। आज ही निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड ने पैसिव कैटेगरी में एक नया फंड ऑफर लॉन्च करने की घोषणा की है।

ब्लू-चिप कंपनियों में निवेश का अवसर- शेयर बाजार में चाहे जो भी स्थिति हो, ब्लू-चिप कंपनियों पर कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। हालांकि, इनमें से किन कंपनियों पर दांव लगाना चाहिए, यह आम निवेशक नहीं जान सकते। लेकिन म्यूचुअल फंड के फंड मैनेजर्स इस क्षेत्र के माहिर होते हैं, इसलिए उन्हें इसकी जानकारी होती है। दावा किया जा रहा है कि इस एनएफओ के जरिये आप कम रेटिंग वाली ब्लू-चिप कंपनियों में निवेश कर सकते हैं, जिनमें बीएसई सेंसेक्स का हिस्सा बनने की क्षमता है।

क्या है बीएसई नेक्स्ट 30 इंडेक्स- बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट 30 इंडेक्स में वे कंपनियां शामिल हैं, जो बीएसई 100 का हिस्सा हैं लेकिन बीएसई सेंसेक्स का हिस्सा नहीं हैं। ये 30 कंपनियां ब्लू चिप हैं, जिनमें भविष्य में मदरबोर्ड बीएसई सेंसेक्स का हिस्सा बनने की क्षमता है। पिछले 10 सालों में 20 स्टॉक बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट 30 से बीएसई सेंसेक्स में आगे बढ़े हैं। यह इंडेक्स कम प्रतिनिधित्व वाले लार्ज कैप को कवर करता है, जो एक ऐसा स्वीट स्पॉट है जिसे कोई अन्य इंडेक्स कैप्चर नहीं करता है।

बीएसई सेंसेक्स से बेहतर प्रदर्शनस- बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट 30 टीआरआई ने लगातार बीएसई सेंसेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिससे यह ईटीएफ श्रेणी में एक आकर्षक निवेश विकल्प बन गया है। पिछले पांच वर्षों में इंडेक्स ने 26 प्रतिशत का सीएजीआर रिटर्न दिया, जबकि बीएसई सेंसेक्स ने 20.3 प्रतिशत रिटर्न दिया।

ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 के दमदार नतीजों की घोषणा की

गुरुग्राम। भारत की अग्रणी इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन और मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता कंपनी ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआई) ने आज, 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के वित्तीय नतीजों की घोषणा की है। बहुआयामी प्रदर्शन अंतर्दृष्टियों को संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए, टीसीआई के प्रबंध निदेशक श्री विनीत अग्रवाल ने कहा- वित्त वर्ष 2025 टीसीआई के लिए प्रणालीगत विकास का वर्ष रहा है। वैश्विक अनिश्चितताओं और आपूर्ति श्रृंखलाओं की बदलती परिस्थितियों के बावजूद, हमारे मल्टीमोडल एकीकरण, स्थिरता और डिजिटलीकरण पर केंद्रित दृष्टिकोण ने हमारी प्रगति को निर्णायक वेग प्रदान किया है। हम त्वरित वाणिज्य, रिटेल और कंज़्यूमर ड्यूरेबल्स क्षेत्रों में उपभोग-आधारित वेयरहाउसिंग की मांग को मापते रहे हैं, तथा बल्क गुड्स, भारी मशीनरी और बड़े उपकरणों के लिए भी हमने अपनी विशेष लॉजिस्टिक्स और मल्टीमोडल समाधान क्षमताओं को सुदृढ़ किया है। रेल और तटीय परिवहन में स्मार्ट संसाधनों का यथोचित उपयोग करते हुए, हमने उच्च क्षमता वाले 40-फुट, 40-टन कंटेनरों, फिक्स्ड चेसिस यूनिट्स और ढ्रस्ह कंटेनरों के साथ अपनी संचालन क्षमता और विस्तारशीलता को बढ़ाया है।

बांग्लादेशी अभिनेत्री नुसरत फारिया को भेजा गया जेल

हत्या की कोशिश के आरोप में हुई गिरफ्तार

बांग्लादेश की चर्चित अभिनेत्री और मुझिब बायोपिक में प्रधानमंत्री शेख हसीना का किरदार निभा चुकीं नुसरत फारिया को ढाका एयरपोर्ट पर उस वक्त गिरफ्तार कर लिया गया जब वह थाईलैंड के लिए रवाना हो रही थीं। गिरफ्तारी के पीछे जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं में उनका कथित रूप से शामिल होना बताया जा रहा है। इस मामले में नुसरत को अदालत के आदेश के बाद सोमवार को जेल भेज दिया गया। ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट नसरिन अख्तर ने नुसरत फारिया को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल जाहंगीर आलम चौधरी ने पुष्टि की है कि अभिनेत्री के खिलाफ जांच चल रही है और सरकार न्याय प्रक्रिया को निष्पक्ष रूप से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

किस मामले के तहत हुई गिरफ्तारी?

बताया जा रहा है कि जुलाई 2024 में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान एनामुल हक नामक व्यक्ति को गोली लगी थी। वह कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहा और ठीक होने के बाद उसने इस साल 3 मई को मामला दर्ज करवाया। इस केस में कुल 283 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 17 कलाकारों के नाम शामिल हैं। इसी लिस्ट में नुसरत फारिया का नाम भी शामिल है।

शेख हसीना के किरदार से बनाई पहचान

मुझिब- द मेकिंग ऑफ ए नेशन नामक फिल्म में शेख हसीना की भूमिका निभाने के बाद नुसरत फारिया देश-विदेश में चर्चा में आई थीं। अब उनकी गिरफ्तारी को लेकर बांग्लादेशी इंडस्ट्री और राजनीतिक गलियारों में बवाल मच गया है।

कलाकारों ने की आलोचना

बांग्लादेश फिल्म इंडस्ट्री के कई चर्चित चेहरों ने भी इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है।

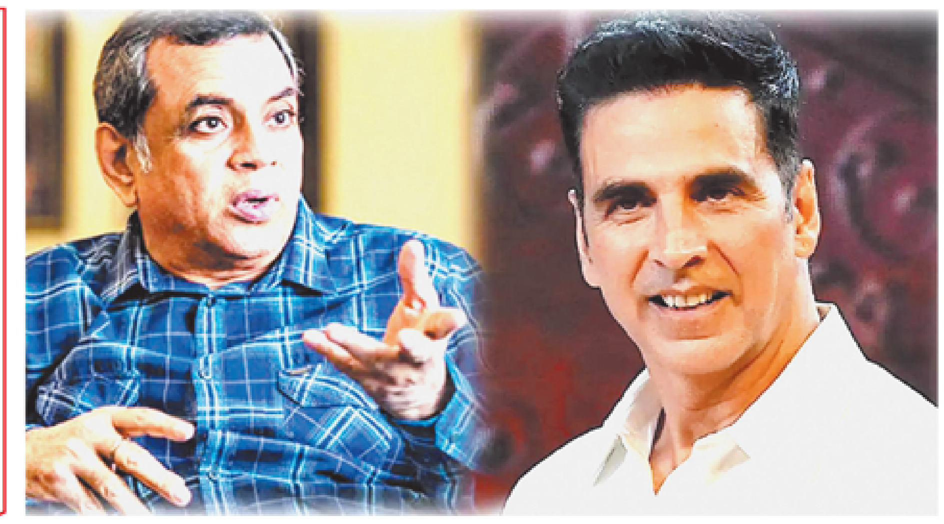

अक्षय कुमार ठोकेंगे परेश रावल पर 25 करोड़ का हर्जाना ! प्रोडक्शन हाउस बोला- बर्दाश्त नहीं करेंगे

कॉमेडी सीक्वल हेरा फेरी 3 से बाहर होने पर अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी ने परेश रावल को 25 करोड़ रुपये का हर्जाना भरने का नोटिस भेजा है। यह मामला अब कानूनी हो चुका है।

कॉमेडी सीक्वल हेरा फेरी 3 एक बार फिर से विवादों में घिर गई है। फ्रेंचाइजी में बाबूराव की भूमिका निभाने वाले अभिनेता परेश रावल ने पिछले हफ्ते घोषणा की कि वह इस फिल्म का हिस्सा नहीं है। उनके इस एलान ने सभी को चौंका दिया। साथ ही उनके प्रशंसकों को काफी निराशा हुई। अब इस मामले ने एक कानूनी मोड़ ले लिया है। अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी ने परेश रावल को नोटिस भेजकर हर्जाने की मांग की है।

परेश रावल से 25 करोड़ रुपये की मांग

रिपोर्ट के मुताबिक अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी केप ऑफ गुड फिल्म्स ने परेश रावल को कानूनी नोटिस भेजकर 25 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है। प्रोडक्शन हाउस का दावा है कि कॉन्ट्रैक्ट साइन करने और शूटिंग शुरू करने के बाद रावल ने काम छोड़कर गैर-पेशेवर तरीके से काम किया है।

तीन गुना ज्यादा फीस ले रहे थे परेश रावल

रिपोर्ट में प्रोडक्शन हवाले से यह भी बताया गया कि इस प्रोजेक्ट के लिए परेश रावल को उनकी सामान्य फीस से तीन गुना ज्यादा भुगतान किया जा रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है, 'परेश ने पेशेवर नैतिकता और व्यावसायिक आचरण के प्रति घोर उपेक्षा दिखाई। अगर उनका फिल्म को पूरा करने का कोई इरादा नहीं था, तो उन्हें कॉन्ट्रैक्ट साइन करने, एडवांस स्वीकार करने और निर्माता को शूटिंग में भारी निवेश करने से पहले ऐसा कहना चाहिए था।'

प्रोजेक्ट से बाहर होना निर्माता नहीं करेंगे बर्दाश्त

रिपोर्ट की माने तो मेकर्स ने आगे कहा, 'अब समय आ गया है कि बॉलीवुड अभिनेता यह समझें कि हॉलीवुड की तरह ही यहां भी निर्माता कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन करने वाले और अपनी मर्जी से प्रोजेक्ट से बाहर निकलने वाले अभिनेताओं को बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

परेश रावल ने कहा- कोई रचनात्मक भेद नहीं

फ्रेंचाइजी से खुद को बाहर करने के बाद परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' छोड़ने को लेकर सफाई दी। अभिनेता ने यह साफ किया कि किसी रचनात्मक मतभेदी की वजह से उन्होंने फिल्म नहीं छोड़ी है।

अभिनेता ने एक्स पर लिखा, 'मैं यह रिकॉर्ड में रखना चाहता हूं कि 'हेरा फेरी 3' से दूर रहने का मेरा फैसला रचनात्मक मतभेदों के कारण नहीं था। मैं दोहराता हूं कि फिल्म निर्माता के साथ कोई रचनात्मक असहमति नहीं है। मैं फिल्म निर्देशक प्रियदर्शन के प्रति अपार प्रेम, सम्मान और विश्वास रखता हूं।

' हेरा फेरी सीरीज बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फ्रेंचाइजी में से एक है। इसका एक बहुत बड़ा फैन बेस है। फ्रेंचाइजी की पहली दो फिल्में बड़ी हिट रही थीं।

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा अब पर्दे पर भारतीय सेना के शौर्य और साहस को दर्शाने के लिए एकदम तैयार हैं। रणदीप की अगली फिल्म का ऐलान हो गया है जिसमें वो भारतीय जवान के किरदार में नजर आने वाले हैं।

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा एक बार फिर बड़े पर्दे पर एक जबरदस्त किरदार में नजर आने वाले हैं। जाट जैसी सुपरहिट फिल्म की सफलता के बाद अब रणदीप अपनी अगली फिल्म में भारतीय सेना के सबसे साहसिक मिशन्स में से एक को जीवंत करने जा रहे हैं। एक्टर की आने वाली फिल्म का नाम है 'ऑपरेशन खुकरी', जो कि एक रियल लाइफ वॉर ड्रामा है।

भारतीय सेना के 'ऑपरेशन खुकरी' पर फिल्म बनाएंगे रणदीप हुड्डा

मेजर जनरल पुनिया का निभाएंगे रोल

क्या है फिल्म का सब्जेक्ट?

यह फिल्म साल 2000 में सिएरा लियोन यानी पश्चिमी अफ्रीका के एक देश में हुए एक वास्तविक सैन्य अभियान पर आधारित है, जहां भारतीय सेना के 233 जवानों को विद्रोही बलों ने बंधक बना लिया था। यह मिशन भारतीय सेना द्वारा अब तक किए गए सबसे खतरनाक और साहसिक अभियानों में से एक माना जाता है। फिल्म में रणदीप हुड्डा मेजर जनरल राज पाल पुनिया की भूमिका निभाएंगे, जो उस वक्त 14वीं मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री के कंपनी कमांडर थे और इस मिशन की अगुवाई कर रहे थे।

एक्शन मोड में राशि खन्ना

अभिनेत्री ने अपने आगामी एक्शन प्रोजेक्ट के सेट से शेयर किया स्टंट लुक

पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना अब ऐक्शन की दुनिया में एक और बड़ा कदम रखने जा रही हैं, और उनके हाल ही में शेयर किए गए बिहाइंड-द-सीन्स लुक से साफ है कि वह इस बार कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। अपने आगामी एक्शन प्रोजेक्ट के सेट से शेयर की गई एक आकर्षक तस्वीर में राशि चोटिल, खून से लथपथ और पूरी तरह से किरदार में डूबी नजर आ रही हैं, जो एक ऐसे किरदार को दर्शाती हैं जो न सिर्फ शारीरिक बल्कि भावनात्मक रूप से भी काफी चुनौतीपूर्ण लग रहा है। एक सादे टी-शर्ट और काले पैंट में नजर आ रहीं राशि की नाक और हाथ पर साफ़ चोटों के निशान दिख रहे हैं। वह एक गंभीर और तनावपूर्ण सीन में बैठी हैं, और उनका एक्सप्रेशन, मेकअप और लाइटिंग मिलकर इस तस्वीर को बेहद प्रभावशाली बना देते हैं। यह लुक उनके अब तक के ग्लैमरस और पॉलिश्ड लुक्स से बिल्कुल अलग है - जो उनके अभिनय के नए, और कहीं ज्यादा रॉ पहलू की ओर इशारा करता है। राशि ने सोशल मीडिया पर छवि साझा की, और इसके कैप्शन में लिखा, ~कुछ किरदार पूछते नहीं।वे मांगते हैं।तुम्हारा शरीर। तुम्हारी साँसें। तुम्हारे जख्म।और जब तुम तूफ़ान बन जाते हो, तो आप बिजली की गड़गड़ाहट से नहीं घबराते। जल्द आ रही है. इंटरनेट पर इस लुक को लेकर काफी चर्चा हो रही है। फैंस और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स राशि के इस लुक की गंभीरता और उनके समर्पण की जमकर सराहना कर रहे हैं। हर किरदार में खुद को पूरी तरह से झोंक देने वाली राशि ने इस प्रोजेक्ट के लिए कड़ी फिजिकल ट्रेनिंग और स्टंट प्रैक्टिस की है।यह रोल न केवल एक्शन से भरपूर है बल्कि इसमें इमोशनल गहराई की भी मांग है - और राशि इन दोनों को बेहतरीन ढंग से पेश करती दिख रही हैं। हाल ही में उन्होंने द साबरमती रिपोर्ट में एक जुझारू पत्रकार का किरदार निभाया था, जिससे यह साबित होता है कि वह जटिल और विविध किरदारों को बखूबी निभा सकती हैं। इनवेस्टिगेटिंग ड्रामा से लेकर जबरदस्त एक्शन तक, राशि एक कलाकार के रूप में अपने अभिनय की रेंज और गहराई को दर्शा रही हैं।और अब इस नई फिल्म के साथ, वह अपने करियर के सबसे कठिन शारीरिक किरदार में कदम रखने जा रही हैं - जो उन्हें भारतीय सिनेमा की सबसे दमदार और बहुमुखी प्रतिभाओं में शामिल कर रहा है।

कुछ इस तरह की कुणाल शर्मा ने मकाम के लिए तैयारी

बॉलीवुड एक्टर कुणाल शर्मा अपनी आने वाली एक्शन-ड्रामा फिल्म मकाम में विक्रम रानवाल का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। उन्होंने बताया कि इस किरदार के लिए उन्हें शारीरिक और मानसिक तौर पर काफी मेहनत करनी पड़ी है। फिल्म की शूटिंग कोलकाता, मुंबई, पुणे और हैदराबाद में की गई। कुणाल लगभग हर शूटिंग शेड्यूल का हिस्सा रहे। उन्होंने कहा, मैं विक्रम रानवाल का किरदार निभा रहा हूं, जिसे अंडरग्राउंड फाइटिंग सर्किट में किंग ऑफ द रिंग के नाम से जाना जाता है। जब मुझे इस किरदार के बारे में पता चला, तो मैं बहुत खुश हुआ... लेकिन थोड़ा डर भी लगा। इस किरदार के लिए बड़ी और मजबूत बॉडी चाहिए थी। लेकिन, मेरे पास ज्यादा समय और पैसे नहीं थे, इसलिए पर्सनल ट्रेनर रखना मुश्किल था।

उन्होंने आगे कहा, ऐसे में मेरे इंजीनियरिंग दिमाग ने बहुत मदद की। मैंने खुद ही फिटनेस ट्रेनर और न्यूट्रिशन का कोर्स किया। मैं थ्योरी पढ़ता और फिर उसे अपने शरीर पर आजमाता था। कुणाल ने खुद से सीखकर, बिना किसी ट्रेनर के अपनी बॉडी बनाई। उन्होंने पढ़ाई और मेहनत दोनों का इस्तेमाल किया और खुद को किरदार के रूप में ढाला। उन्होंने कहा, मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी, विक्रम के अंदर की दुनिया को समझना, उसके जज्बात, सोच और दर्द को महसूस करना। मैं असल में एमएमए (मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स) फाइटर नहीं हूं और फिल्म के क्लाइमेक्स में 10-12 मिनट लंबी रिंग फाइट है। कुणाल ने कहा कि एमएमए को पूरी तरह सीखने का वक्त नहीं था, इसलिए उन्होंने अपने शरीर की मुद्रा, खड़े होने का तरीका और दुनियाभर की फिल्मों में दिखाए गए एमएमए को ध्यान से देखा और सीखा। इसमें उन्होंने टीम की भी मदद ली। लेकिन, ये सब करते हुए उनके शरीर पर काफी असर पड़ा, बावजूद इसके उन्होंने हार नहीं मानी। एक्टर ने कहा, मुझे चोटें आईं, कुछ हड्डियां भी टूट गईं और क्लाइमेक्स की फाइट के बाद मुझे ठीक होने में 4 से 6 हफ्ते लगे। लेकिन, जब फिल्म का ट्रेलर आया और लोगों ने मेरी तारीफ करनी शुरू की, तो सारा दर्द गायब हो गया। कुणाल ने हवाई फाइव-0, प्रिजन ब्रेक जैसी फिल्मों और शोज में काम किया है।

कमल हासन के साथ किसिंग सीन से चर्चा में तृषा

साउथ सुपरस्टार कमल हासन की बहुप्रतीक्षित फिल्म ठग लाइफ का हाल ही में ट्रेलर लॉन्च किया गया। इस फिल्म में एक सीन देख कर नेटिजंस भड़क गए हैं। इस सीन में अभिनेत्री तृषा कृष्णन और अभिनेता कमल हासन के बीच रोमांटिक सीन दिखाया गया है, जिसमें दोनों के बीच किसिंग सीन को फिल्माया गया है। इस कारण से सोशल मीडिया पर यूजर्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। आइए जानते हैं तृषा कृष्णन के बारे में कि वो कब-कब चर्चाओं में रहीं।

दलपति विजय के साथ अफेयर

साउथ अभिनेत्री तृषा कृष्णन और साउथ सुपरस्टार दलपति विजय के अफेयर्स की खूब चर्चाएं हुई थीं। विजय और तृषा को पहली बार साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म घिल्ली में देखा गया था, जो एक शानदार फिल्म साबित हुई थी। इसके बाद भी दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आए। साल 2008 के बाद दोनों के बीच अफेयर्स की अफवाहें सामने आईं। इसी के बाद लगभग 15 सालों तक दोनों ने साथ में कोई फिल्में नहीं कीं। इसके बारे में मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि विजय के परिवार ने उन्हें तृषा के साथ काम करने के लिए मना किया था। हालांकि, 15 सालों बाद 2024 में दोनों लियो फिल्म में फिर एक साथ नजर आए। इसके अलावा अभिनेत्री ने उन्हें 2024 में अलग अंदाज में बर्थडे विश किया था, जिसने कई अफवाहों को फिर से तूल दे दी थी।

राणा दग्गुबाती के साथ चली थी लव स्टोरी

अभिनेता और फिल्म निर्माता राणा दग्गुबाती के साथ भी अभिनेत्री तृषा कृष्णन के अफेयर की खबरें सामने आई थीं। यह अफवाह इतनी फैली कि उनके फैंस को लगा कि ये दोनों शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्तों की आधिकारिक घोषणा नहीं की थीं, लेकिन सार्वजनकि तौर पर उनकी गतिविधियां बहुत कुछ बयां कर देती थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करण जौहर के साथ एक इंटरव्यू में करण ने राणा दग्गुबाती से तृषा कृष्णन के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा, तो अभिनेता ने स्वीकार किया कि वे डेटिंग कर रहे थे। हालांकि, उनके बीच चीजें ठीक नहीं रहीं, इस वजह से वो अलग हो गए थे।

चेन्नई के एक व्यवसायी से की सगाई

कहा जाता है राणा दग्गुबाती से ब्रेकअप के बाद अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने साल 2015 में चेन्नई के एक व्यवसायी वरुण मनियन से सगाई कर ली थी। हालांकि, बाद में अभिनेत्री की सगाई टूट गई थी। कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कहा गया कि वरुण के पिता अपने बेटे की शादी तृषा से करने के फैसले के खिलाफ थे, क्योंकि वह चाहते थे कि उनके परिवार में समान पृष्ठभूमि से कोई बहू आए। हालांकि, एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनकी सगाई इसलिए टूटी, क्योंकि वरुण उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए कह रहे थे।

तृषा कृष्णन के बारे में

एक्ट्रेस तृषा कृष्णन अभिनेता कमल हासन अभिनीत फिल्म ठग लाइफ में नजर आएंगी, जिसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ठग लाइफ 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह गैंग्स्टर एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन मणिरत्नम कर रहे हैं। इस फिल्म की स्क्रिप्ट को कमल हासन और मणिरत्नम ने मिलकर लिखा है। फिल्म में कमल हासन और तृषा के अलावा सिलाम्बरासन, अशोक सेलवन, नस्सर, अली फजल, पंकज त्रिपाठी सान्या मल्होत्रा और ऐश्वर्या लक्ष्मी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

बांग्लादेश टी20 के लिए पाकिस्तान की टीम घोषित; बाबर, रिजवान और अफरीदी बाहर

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए 16 खिलाड़ियों की टीम घोषित की है, जिसमें पूर्व कप्तान बाबर आजम, अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी शामिल नहीं हैं। पीसीबी ने कहा कि टीम का चयन मौजूदा पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) सीजन के दौरान प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। यह पहली बार नहीं है जब बाबर, रिजवान और अफरीदी को टी20 सेटअप से बाहर किया गया है। इससे पहले अप्रैल में, तीनों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर कर दिया गया था, लेकिन वे वनडे मैचों का हिस्सा थे। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होने वाली तीन मैचों की सीरीज, कोच के तौर पर माइक हेसन की पहली सीरीज होगी, जिसका शेड्यूल आने वाले दिनों में घोषित किया जाएगा। बल्लेबाज सलमान अली आगा कप्तान बने रहेंगे और ऑलराउंडर शादाब खान उनके डिप्टी होंगे, जबकि अनुभवी सफेद गेंद के खिलाड़ी फखर जमान, हारिस रऊफ और नसीम शाह भी टीम में शामिल हैं। चोट से जूझने के बाद आक्रामक बल्लेबाज सैम अयूब की वापसी से पाकिस्तान को मजबूती मिलेगी। फरवरी में दूसरे टेस्ट में फील्डिंग करते समय टखने में फ्रैक्चर होने के बाद अयूब इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान के दक्षिण अफ्रीका दौरे के बीच में ही बाहर हो गए थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने मौजूदा पीएसएल सीजन में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की है।

इस बीच, 29 वर्षीय बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को पीएसएल में उनके प्रदर्शन के लिए 2018 के बाद पहली बार टी20 सेटअप में वापसी का इनाम मिला है। उन्होंने पीएसएल में अब तक अपने 10 मैचों में 154.50 की स्ट्राइक रेट से 394 रन बनाए हैं और इवेंट में रन बनाने वाले चार्ट में सबसे आगे हैं।

पाकिस्तान टीम- सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद वसीम जूनियर, मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना में चार देशों के टूर्नामेंट के लिए रवाना

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम बुधवार तड़के बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अर्जेंटीना के रोसारियो शहर के लिए रवाना हुई। वहां वे चार देशों के एक दोस्ताना हॉकी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

यह टूर्नामेंट टीम की दिसंबर में होने वाले एफआईएच जूनियर महिला हॉकी वर्ल्ड कप की तैयारी का हिस्सा है। इसमें भारत के अलावा अर्जेंटीना, उरुग्वे और चिली की टीमें भाग लेंगी। सभी टीमें एक-दूसरे के साथ मुकाबला करेंगी और अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगी। यह टूर्नामेंट 25 मई से 2 जून (भारतीय समयानुसार) तक चलेगा। इस दौरान भारतीय टीम इन तीनों देशों के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी। इसका उद्देश्य टीम की तैयारी को परखना, सही टीम संयोजन बनाना और रणनीतियां सुधारना है। इस टीम के कोच तुषार खांडेकर हैं। गोलकीपर निधि टीम की कप्तान होंगी और फॉरवर्ड खिलाड़ी हीना बानो उप-कप्तान होंगी। भारत का पहला मुकाबला 25 मई को चिली से, दूसरा 26 मई को उरुग्वे से और तीसरा 28 मई को मेजबान अर्जेंटीना से होगा।

टीम के रवाना होने से पहले कप्तान निधि ने कहा, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना में होने वाले आगामी चार देशों के टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित है। हम प्रशिक्षण में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि हमारे प्रयास मैचों में दिखेंगे। मजबूत विरोधियों के खिलाफ खेलने से हमें बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। हमें अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है और हम आगामी खेलों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कोच तुषार खांडेकर ने कहा, हम इस दौरे से अपने सबसे अच्छे खिलाड़ियों को पहचानने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि जूनियर वर्ल्ड कप अब सिर्फ छह महीने दूर है। यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देगा और आगे चलकर उन्हें सीनियर टीम में शामिल होने में मदद करेगा।

आईपीएल 2025:

23 मई को बंगलूरू में होने वाला आईपीएल मैच लखनऊ शिफ्ट

लखनऊ, एजेंसी। 23 मई को प्रस्तावित रॉयल चैलेंजर्स और सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला मौसम खराब होने के कारण लखनऊ में खेला जाएगा। इसके लिए हैदराबाद की टीम रोक ली गई है। बीते दिनों टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने वाले विराट कोहली आईपीएल में धूम मचा रहे हैं। अब बंगलूरू में 23 मई को प्रस्तावित रॉयल चैलेंजर्स और सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला मौसम खराब होने के कारण लखनऊ में शिफ्ट किया गया है। इस खबर के साथ शहर में विराट के प्रशंसक खुशी से झूम रहे हैं, क्योंकि अब उन्हें एक नहीं, बल्कि दो बार अपने पसंदीदा खिलाड़ी का जलवा देखने का मौका मिलेगा।

विराट को लेकर शहर में पहले से ही काफी उत्साह था। दरअसल, यहां 27 मई को लखनऊ और बंगलूरू का मैच तय है। विराट को खेलता देखने के लिए इस मुकाबले के टिकट काफी पहले ही बिक चुके हैं। अब 23 मई को इकाना स्टेडियम में हैदराबाद और बंगलूरू का मैच विराट प्रसंशकों के लिए बोनस है।

मंगलवार शाम को हैदराबाद की टीम बंगलूरू के लिए उड़ान भरने वाली थी, लेकिन उन्हें लखनऊ में ही रुके रहने के लिए कह दिया गया है। मुकाबले के लिए बंगलूरू टीम बुधवार को लखनऊ आ जाएगी। टीम का बृहस्पतिवार को इकाना स्टेडियम में अभ्यास का शेड्यूल भी है। इस दिन हैदराबाद की टीम भी अभ्यास कर सकती है।

प्लेऑफ नहीं तो एक अतिरिक्त लीग मैच ही सही

पिछले तीन साल से आईपीएल के मुकाबलों की मेजबानी करने वाले लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में पहली बार आठ मुकाबले खेले जाएंगे। पहले दो सत्रों में लखनऊ सुपरजायंट्स के घरेलू मैदान में सात-सात लीग चरण के मुकाबले खेले गए थे। हालांकि इस सत्र में आईपीएल के मुकाबलों को लेकर उमड़ी भीड़ को देखकर लगा था कि शायद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) लखनऊ को प्लेऑफ मुकाबले की मेजबानी दे दे, लेकिन ऐसा हो न सका। इसके बाद यहां एक अतिरिक्त मैच आने से स्टेडियम प्रबंधन भी उत्साहित है।

बड़ी संख्या में दर्शकों के आने की उम्मीद

हम प्लेऑफ के मुकाबले की मेजबानी का इंतजार कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इसमें निराश होने की कोई बात नहीं है, क्योंकि अब प्रशंसक अपने पसंदीदा विराट कोहली को इकाना स्टेडियम एक नहीं, दो बार खेलते दिखेंगे। उम्मीद है कि इन मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक अपनी उपस्थित दर्ज कराएंगे।

धर्मशाला में होंगे अंतर जिला टी-20 क्रिकेट के सेमीफाइनल और फाइनल मैच

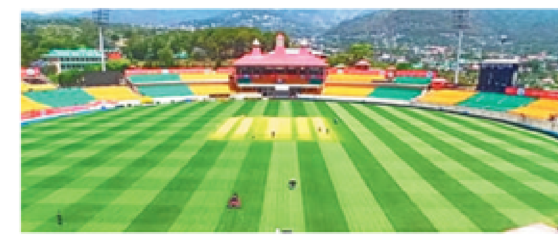

धर्मशाला, एजेंसी। प्रदेश क्रिकेट संघ की ओर से करवाई जा रही अंतर जिला सीनियर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले धर्मशाला स्टेडियम में खेले जाएंगे। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ की ओर से करवाई जा रही अंतर जिला सीनियर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले धर्मशाला स्टेडियम में खेले जाएंगे। वर्तमान में ऊना के संतोषगढ़ और पेखुबेला क्रिकेट मैदानों में अंतर जिला सीनियर टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मुकाबले खेले जा रहे हैं। इसमें पूल के मुकाबले भारत-पाक के बीच बढ़े तनाव से पूर्व ही करवा लिए थे। कांगड़ा, मंडी, सोलन, कुल्लू और लाहौल-स्पीति के बीच मैच खेले गए। इस पूल में कुल्लू की टीम अंकतालिका में पहले और कांगड़ा की टीम दूसरे स्थान पर रही। टूर्नामेंट में कांगड़ा और कुल्लू ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वहीं, पूल बी के मुकाबले टूर्नामेंट की तिथि बदलने के चलते 17 मई से शुरू हुए हैं। पूल-बी में ऊना, हमीरपुर, शिमला, बिलासपुर, किन्नौर और सिरमौर के बीच लीग मुकाबले खेले जा रहे हैं। पूल बी में टॉप टू में रहने वाले टीमें 25 मई को धर्मशाला स्टेडियम में पूल-ए में टॉप पर रही कांगड़ा और कुल्लू के साथ सेमीफाइनल मुकाबले खेलेगी। सेमीफाइनल मुकाबलों में विजेता रहने वाले टीमों के बीच 26 मई को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

शिखर धवन ने गुरुग्राम में खरीदा लग्जरी फ्लैट, कीमत है करोड़ों में

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन ने गुरुग्राम में 69 करोड़ रुपए में एक लग्जरी फ्लैट खरीदा है। यह फ्लैट गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर अत्यधिक भव्य परियोजना 'द डहलियाज' में है। इस अपार्टमेंट का साइज 6,040 वर्ग फुट है। रियल एस्टेट क्षेत्र में आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली फर्म सीआरई मैट्रिक्स के मुताबिक पंजीकृत समझौता चार फरवरी, 2025 को हुआ था। धवन ने गुइस संपत्ति का मूल्य 65.61 करोड़ रुपए है। स्टाम्प शुल्क 3.28 करोड़ रुपये है, जिससे कुल कीमत लगभग 69 करोड़ रुपए हो जाती है। पिछले साल अगस्त में हरियाणा के गुरुग्राम में शुरू हुए 'द डहलियास' परियोजना में 420 अपार्टमेंट और पेंटहाउस हैं। सीआरई मैट्रिक्स के माध्यम से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार यहां प्रति स्क्वायर फीट अपार्टमेंट की कीमत 1,14,068 रुपए है। भारतीय क्रिकेट में 'गब्बर' नाम से के मशहूर शिखर धवन ने अगस्त 2024 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 2010 में विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और भारत के लिए उनका अंतिम मैच भी 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 50 ओवर का खेल था। अपने करियर के दौरान, धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 एकदिवसीय और 68 टी20 मैच खेले।

CSK की 10वीं हार के बाद फ्लेमिंग ने कहा...

शायद यह उचित है कि हम सबसे नीचे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। यह लगभग तय है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आईपीएल 2025 में आखिरी स्थान पर समाप्त होगी, क्योंकि राजस्थान रॉयल्स से छह विकेट से हारने के साथ उनका पतन जारी रहा। मंगलवार को बड़ी संख्या में भीड़ - जिसमें बच्चे, वयस्क और वरिष्ठ नागरिक शामिल थे - ने कोटला में कड़ी गर्मी और कामकाजी सप्ताह के दिन का सामना किया और पीली जर्सी पहनकर और हर छोटे अवसर पर सीटी बजाकर एमएस धोनी एंड कंपनी के लिए जोरदार समर्थन दिखाया।

लेकिन सीएसके के उलझे हुए दृष्टिकोण - जैसे कि रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा को डेवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे से आगे बढ़ाना - और गेंदबाजी में कोई भी पैनापन नहीं होना, ने उन्हें फिर से निराश किया।

मंगलवार के मुकाबले से पहले, मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा था कि सीजन को अच्छी तरह से खत्म करने का अवसर उनके लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है। लेकिन आरआर से हार, जो इस सीजन की उनकी दसवीं हार थी, ने सीएसके को टी20 तालिका में काफी पीछे रहने की याद दिला दी। इसलिए, फ्लेमिंग को यह कहते हुए सुनना आश्चर्यजनक नहीं था कि सीएसके का अंक तालिका में सबसे नीचे रहना 'संभवतः उचित' है। हमें यहां नीचे रहना बिल्कुल पसंद नहीं है, लेकिन यह कोई प्रेरणा नहीं है। हम बस एक अच्छा प्रदर्शन चाहते थे। हम कुछ प्रदर्शनों को एक साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य दो अच्छे प्रदर्शन करना था। अब बस एक अच्छा प्रदर्शन खत्म करना होगा। फ्लेमिंग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, शायद यह उचित है कि हम सबसे नीचे हैं। हमने उस तरह का क्रिकेट खेला है, इसलिए आप इससे दूर नहीं रह सकते। लेकिन हम जो करना चाहते हैं, वह यह है कि मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करें, जो टीम की क्षमता को दर्शाता है।

हालांकि सीएसके द्वारा 78 रन पर अपनी आधी टीम गंवाने के बाद 187/8 का स्कोर बनाना सराहनीय था, लेकिन यह स्कोर हमेशा ही आरआर की प्रेरित टीम को चुनौती देने के लिए अपर्याप्त था, जिसने अपने युवाओं के दम पर जीत हासिल की। कुछ खिलाड़ियों ने चेन्नई में भी ट्रेनिंग की थी। बस इसमें थोड़ी यात्रा शामिल थी। बाकी सब अच्छी बात है, लेकिन मुझे लगता है कि यह तालिका में हमारी स्थिति के हिसाब से अधिक है, अगर आप शीर्ष चार या पांच के आसपास हैं, तो वापस आकर प्रेरित होना और खेल में उतरना बहुत आसान है। फ्लेमिंग ने कहा, हम मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं। इन दो मैचों के लिए हमारी प्रेरणा बहुत अधिक रही है। ट्रेनिंग अच्छी रही है। तीव्रता ठीक थी। हम फिर से बीच में प्रदर्शन करने में कमी कर रहे हैं।

तमाम उथल-पुथल के बीच, सीएसके इस बात से खुश होगी कि आयुष म्हात्रे और डेवाल्ड ब्रेविस ने मंगलवार को किस तरह से प्रदर्शन किया, जिन्होंने क्रमशः 43 और 42 रन बनाते हुए कुछ बेहतरीन शॉट दिखाए। हालांकि सीएसके ने पावर-प्ले में 68 रन बनाए, एक ऐसा चरण जो उनके पतन का आधार रहा है, के बाद उन्होंने म्हात्रे सहित तीन विकेट खो दिए, और इससे 200 तक पहुंचने की उनकी इच्छा को चोट पहुंची।

मलेशिया मास्टर्स: एचएस प्रणय और करुणाकरन की शानदार जीत, दूसरे दौर में पहुंचे; सिंधू पहले ही दौर में बाहर

कुआलालंपुर, एजेंसी। प्रणय ने पहले जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो को एक घंटे 22 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। इसके बाद करुणाकरन ने तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ टिएन चेन को महज 39 मिनट में 21-13, 21-14 से हराया। एचएस प्रणय और सतीश करुणाकरन ने पुरुष एकल मुकाबलों में उलटफेर करते हुए जीत हासिल की और मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली। हालांकि, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को बुधवार को महिला एकल मुकाबले के पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गई। पुरुष एकल में भारतीयों का जलवा

प्रणय ने पहले जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो को एक घंटे 22 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। इसके बाद करुणाकरन ने तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ टिएन चेन को महज 39 मिनट में 21-13, 21-14 से हराया। भारत के एक अन्य पुरुष खिलाड़ी आयुष शेट्टी भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रहे। आयुष ने कनाडा के ब्रायन यांग को 20-22, 21-10, 21-8 से मात दी।

सिंधू की खराब फॉर्म जारी

पुरुष एकल वर्ग में जहां भारत के लिए अच्छा दिन रहा, वहीं, महिलाओं के वर्ग में सिंधू की खराब फॉर्म यहां भी बरकरार रही और वह इस सुपर 500 टूर्नामेंट का शुरुआती दौर ही पार नहीं कर सकीं।

सिंधू को वियतनाम की नगुयेन थियू लिंथ के खिलाफ 11-21, 21-14, 15-21 से हार मिली।

चुराह की चंपा ठाकुर कबड्डी वर्ल्ड कप शिविर के लिए चुनीं

चंबा, एजेंसी। चंबा जिले के उपमंडल चुराह की ग्राम पंचायत बघेईगढ़ की रहने वाली चंपा ठाकुर का चयन आगामी कबड्डी विश्व कप के राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ है। हिमाचल प्रदेश के चंबा

जिले के उपमंडल चुराह की ग्राम पंचायत बघेईगढ़ की रहने वाली चंपा ठाकुर का चयन आगामी कबड्डी विश्व कप के राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ है। प्रशिक्षण शिविर सोनीपत में चल रहा है। यह 30 मई तक चलेगा। शिविर में देशभर से करीब 35 कबड्डी खिलाड़ी भाग ले रही हैं। प्रशिक्षण के आधार पर ही विश्व कप की टीम घोषित की जाएगी। चंपा के पिता रमेश ठाकुर पेशे से पहलवान हैं, बेटा कुश्ती में अपना भविष्य संवार रहा है। इसके अलावा बेटी चंपा ठाकुर भी कबड्डी में जिले का नाम देशभर में रोशन कर रही हैं।

राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच राठौड़ ने कहा-

अगला साल निश्चित रूप से हमारा होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के लीग मैचों के समाप्त होने में अभी एक सप्ताह बाकी है, लेकिन राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के 14 लीग मैचों का कोटा पूरा होकर उनके आईपीएल 2025 का सफर समाप्त हो चुका है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बनने वाली आरआर अभी भी सीएसके से ठीक ऊपर और अंक तालिका में अंतिम से दूसरे स्थान पर है, जबकि पिछले साल आरआर ने प्ले ऑफ तक का सफर पूरा किया था। टीम के इस प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा, इस सीजन कई मैच ऐसे रहे, जहां हमने जीतते-जीतते कई करीबी मुकाबले गंवाए। हमने तीनों विभागों, खासकर फील्डिंग में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। इसके अलावा हमने पांच बल्लेबाज रिटेन किए थे तो हमें बल्लेबाजों से बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन कई मौके ऐसे आए, जहां हमने अच्छी शुरूआत नहीं की। वहीं गेंदबाजी में भी हमने अधिकतर बार 10 से 15 रन अधिक दिए, जो बाद में हार का अंतर साबित हुए। कई मौकों पर हम मैच को अपने पक्ष में समाप्त कर सकते थे, लेकिन हम दुर्भाग्यशाली रहे कि हम ऐसा नहीं कर पाए। यह निराशाजनक है और इससे तकलीफ होती है, लेकिन यह आपको अगले सीजन के लिए उम्मीद भी देती है। मुझे लगता है कि हम इससे बुरा और नहीं कर सकते और अगले सीजन हम निश्चित रूप से वापसी करेंगे। ये सभी लड़के एक साल और अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू क्रिकेट खेलकर और भी बेहतर होंगे, खासकर हमारी बल्लेबाजी इकाई और भी मजबूत होगी। गौरतलब है कि आरआर ने इस साल चार ऐसे करीबी मुकाबले गंवाए, जिसमें जीत-हार का अंतर 11 रन से भी कम था, वहीं दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ मुकाबला भी सुपर ओवर में जाने के बाद उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अगर इन मुकाबलों में से आधे के परिणाम भी आरआर के पक्ष में जाते तो वे प्ले ऑफ की दौड़ में बने रहते। हालांकि राठौड़ ने कहा कि उन्हें इस सीजन से कई सकारात्मक चीजें मिलीं, जो कि अगले सीजन को बेहतर बनाने के काम आएंगी। वैभव सूर्यवंशी के लिए पूछे जाने पर राठौड़ ने कहा, सूर्यवंशी के साथ अच्छी बात यह है कि उनके पास निरंतरता है और वह लगभग हर मैच में अच्छा कर रहे हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में भी अच्छी पारी खेली थी और बार-बार ऐसा करना दिखाता है कि वह अलग और अनूठे हैं। उनके बल्ले का डाउनस्विंग उन्हें एक विशेष खिलाड़ी बनाता है।

राठौड़ ने कहा, हमने टुकड़ों में अच्छी गेंदबाजी की, जैसे आज सीएसके के खिलाफ मैच में आकाश मधवाल ने अच्छा स्पैल डाला। उनको ऐसे गेंदबाजी करते देखना निश्चित रूप से सुखद था। इसके अलावा जोफ्रा आर्चर ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान अच्छी गेंदबाजी की। आज, वनिंदु हसरंगा ने भी वापसी करते हुए अच्छी गेंदबाजी की। हम दुर्भाग्यशाली रहें कि सैंडी (संदीप शर्मा) बीच टूर्नामेंट में चोटिल हो गए, लेकिन वह ऐसे गेंदबाज हैं, जिस पर हम निर्भर रह सकते हैं। तो गेंदबाजी में ये सभी सकारात्मक चीजें हैं। उन्होंने कहा, वहीं बल्लेबाजी में तो बहुतों ने उम्मीद जगाई है। हमारी बल्लेबाजी जिस तरह की है, मुझे लगता है कि यह हमारे लिए जितना बेकार सीजन हो सकता था, हो चुका है। यहां से चीजें बेहतर ही होंगी। चाहे वैभव (सूर्यवंशी) हों या ध्रुव जुरेल, सब यहां से बेहतर ही होंगे। वहीं रियान पराग एक विशेष खिलाड़ी हैं। संजू (सैमसन) दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से इस सीजन अधिकतर समय चोटिल रहें, हम उम्मीद करते हैं कि वह अगले सीजन पूरी तरह फिट होकर हमारे लिए पूरा सीजन खेलेंगे। वह न सिर्फ एक अच्छे बल्लेबाज, बल्कि बेहतरीन कप्तान और नेतृत्वकर्ता हैं। वहीं (शिमरॉन) हेटमायर के लिए यह निराशाजनक सीजन रहा, लेकिन जिस तरह के वह खिलाड़ी हैं, वह भी निश्चित रूप से कोशिश करेंगे कि आगे ऐसा ना हो।

राजस्थान की बेटी गीता सामोता ने माउंट एवरेस्ट फतह कर रचा नया इतिहास

-CISF की पहली महिला एवरेस्ट विजेता गीता

सीकर। राजस्थान के सीकर जिले के एक छोटे से गांव चक की रहने वाली गीता सामोता ने देश का नाम रोशन कर दिया है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) की उपनिरीक्षक गीता ने 19 मई को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी, माउंट एवरेस्ट (8,849 मीटर) पर भारतीय तिरंगा लहराकर इतिहास रच दिया। गीता सामोता CISF की पहली महिला अधिकारी बनी हैं जिन्होंने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की है। यह सफलता सिर्फ गीता की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह उन सभी महिलाओं के लिए प्रेरणा है जो पारंपरिक सोच और लैंगिक सीमाओं को तोड़ते हुए अपने सपनों को साकार करना चाहती हैं। शेखावाटी अंचल की इस जांबाज बेटी की इस उपलब्धि पर CISF के महानिदेशक समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें बधाई दी है। साथ ही, बल ने अब 2026 में माउंट एवरेस्ट के लिए एक विशेष पर्वतारोहण दल भेजने की योजना भी बनाई है, जो गीता की इस ऐतिहासिक चढ़ाई से प्रेरित होगी।

साधारण परिवार में जन्मी गीता ने चार बहनों के बीच पारंपरिक ग्रामीण परिवेश में ही अपना बचपन बिताया था। स्कूल और कॉलेज की शिक्षा भी गांव से ही पूरी की है। गीता सामोता को बचपन से ही लड़कों की उपलब्धियों के किस्से सुनने को मिलते थे, लेकिन उन्हें यह बात खलती थी कि लड़कियों की सफलताओं के किस्से क्यों नहीं होते। यह सोच उनके मन में एक बदलाव की चाह पैदा करती रही।

2011 में सीआईएसएफ में शामिल हुईं

गीता विद्यार्थी जीवन से ही हॉकी में एक होनहार खिलाड़ी रही हैं। हालांकि, एक चोट लगने के कारण उन्हें खेल से दूर होना पड़ा, लेकिन गीता के हौसले ने उन्हें पर्वतारोहण की ओर मोड़ दिया। 2011 में सीआईएसएफ में शामिल होने के बाद उन्होंने पर्वतारोहण को अपना जुनून बना लिया और लगातार अभ्यास करते हुए अब तक पांच बार माउंट एवरेस्ट पर फतह हासिल कर चुकी हैं। इसके अलावा भी उन्होंने कई

पर्वतारोहण अभियानों में अपनी भागीदारी निभाई है। यह साबित करता है कि गीता की मेहनत और समर्पण ने उन्हें एक अलग पहचान दी है। गीता सामोता ने 19 मई को 8,849 मीटर ऊंचे माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा लहराकर जो इतिहास रचा है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

पेरिस होली महोत्सव में 'पधारो म्हारे देस' की गूंज

-पद्मश्री बेगम बतूल ने रचा राजस्थानी लोक संगीत का नया इतिहास

पेरिस। पेरिस होली महोत्सव में 'पधारो म्हारे देस' की गूंज सुनाई दी, जब राजस्थानी लोकसंगीत की प्रसिद्ध गायिका पद्मश्री बेगम बतूल ने 20 मई को आयोजित महोत्सव में अपनी प्रस्तुति दी। पेरिस में हुए इस आयोजन की शुरुआत उन्होंने गणेश वंदना से की और फिर प्रसिद्ध मांड रचना 'केसरिया बालम आवो नी, पधारो म्हारे देस' प्रस्तुत की। उनके साथ उनके समूह 'बसंत' के कलाकार मनवर, फरहान, रोबिन, रमीज, लूमनाथ और साहिल ने संगत की। यह आयोजन ग्लोबल इंडियन ऑर्गनाइजेशन और लुई वित्तों फाउंडेशन के सहयोग से हुआ, जिसमें भारत के राजदूत संजीव सिंगला ने भी शिरकत की। कार्यक्रम का निर्देशन सांस्कृतिक निदेशक अनवर हुसैन ने किया, जिसमें 300 से अधिक कलाकारों ने भाग लिया और करीब 32,000 दर्शकों ने प्रस्तुतियों का आनंद लिया। समारोह के दौरान बेगम बतूल ने श्रीराम और सालासर बालाजी के भजनों की भी प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में हारमोनियम पर अनवर हुसैन और तबले पर साहिल बागड़ा ने संगत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया।

यूरोप के 6 देशों के सांस्कृतिक दौरे पर

बेगम बतूल को 28 अप्रैल 2025 को राष्ट्रपति द्वारा पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया था। इसके बाद वे अपने समूह 'बसंत' के कलाकारों के साथ तीन महीने के यूरोपीय दौरे पर हैं, जिसमें वे फ्रांस, हॉलैंड, स्विट्ज़रलैंड, इटली, स्पेन और जर्मनी जैसे देशों में भजन, मांड और राजस्थानी लोक संगीत की प्रस्तुतियां देंगी। नागौर के केराप गांव में जन्मी बेगम बतूल ने बिना किसी औपचारिक शिक्षा के केवल रियाज़ के बल पर गायन सीखा। उन्होंने मांड गायिकी को वैश्विक पहचान दिलाई है और अब तक 25 से अधिक देशों में प्रस्तुति दे चुकी हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, मोनाको, ट्यूनीशिया आदि शामिल हैं। इस मौके पर जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (JITO) फ्रांस के अध्यक्ष ललित और प्रवीणा भंडारी के पेरिस स्थित आवास पर एक स्वागत समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें राजस्थान एसोसिएशन फ्रांस के अध्यक्ष अनवर हुसैन और डॉ. रेखा भंडारी भी उपस्थित रहे। बेगम बतूल ने वहां भी भजनों की प्रस्तुति दी और सभी मेहमानों ने उनका सम्मान किया।

सम्मान और उपलब्धियां

बेगम बतूल को अब तक कई महत्वपूर्ण सम्मानों से नवाजा जा चुका है, जिनमें 2022 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा दिया गया नारी शक्ति पुरस्कार, 2024 में फ्रांस सीनेट भारत गौरव सम्मान और ऑस्ट्रेलिया संसद सांस्कृतिक सम्मान, 2023 में राजस्थान गौरव सम्मान और 2021 में GOPIO अचीवर्स अवार्ड शामिल हैं। वे 2017 से हर वर्ष पेरिस में आयोजित होने वाले यूरोप के सबसे बड़े होली महोत्सव की मुख्य प्रस्तुतकर्ता रही हैं, जिसमें 35,000 से अधिक लोग भाग लेते हैं। उनकी साधना आज भी 70 साल की उम्र में जारी है और वे धर्म और जाति की सीमाओं से ऊपर उठकर राम और कृष्ण के भजनों को स्वर दे रही हैं।

पूर्व आईएएस ट्रेनी पूजा खेडकर को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, जांच में सहयोग का निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उन्हें अग्रिम जमानत देते हुए कहा कि वे जांच में सहयोग करें। पूजा पर 2022 संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा के लिए पात्रता प्राप्त करने के लिए अपने दस्तावेजों में जालसाजी करने का आरोप है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि उन्होंने कौन सा गंभीर अपराध किया है? वह कोई ड्रग माफिया या आतंकी नहीं है। उसने कोई हत्या नहीं की है। वह एनडीपीएस अपराधी नहीं है। न ही वह दुष्कर्म की आरोपी है। सुप्रीम कोर्ट ने पूजा खेडकर को जमानत देते हुए कहा कि वह जांच में सहयोग करेंगीं और गवाहों को न तो प्रभावित करेंगी, न ही सबूतों से छेड़छाड़ करेंगीं। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा कि गिरफ्तारी की स्थिति में याचिकाकर्ता को 35 हजार रुपये नकद जमानत और दो जमानतदारों के साथ जमानत पर रिहा किया जाता है। उनको जांच में सहयोग करना होगा। साथ ही स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं करना होगा। अगर किसी शर्त का उल्लंघन होता है तो उनकी अग्रिम जमानत को रद्द करने की मांग की जा सकती है। इससे पहले कोर्ट ने पूजा खेडकर

को गिरफ्तारी से संरक्षण देने के अपने अंतरिम आदेश को बढ़ा दिया था। बता दें, खेडकर पर आरोप है कि उन्होंने आरक्षण लाभ प्राप्त करने के लिए यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2022 के लिए अपने आवेदन में कथित तौर पर जानकारी को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है। 31 जुलाई को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने खेडकर की उम्मीदवारी रद्द कर दी। साथ ही, उन्हें भविष्य की परीक्षाओं से रोक दिया है।

हाईकोर्ट के आदेश को दी है चुनौती:-

खेडकर ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए पूजा खेडकर पर तल्ख टिप्पणियां की थीं। कोर्ट ने कहा था कि यह न सिर्फ एक संवैधानिक निकाय के साथ, बल्कि समाज और पूरे देश के साथ धोखाधड़ी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

खेड़कर पर दिल्ली पुलिस ने गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसमें सिविल सेवा परीक्षा में धोखाधड़ी और अवैध रूप से ओबीसी और विकलांगता कोटे का दावा करना शामिल है। जनवरी में शीर्ष अदालत ने उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया था और उनसे जांच में सहयोग करने को कहा था।

बनू मुश्ताक को 'हार्ट् लेम्प' के लिए इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार

- कन्नड़ भाषा की पहली किताब को मिला यह सम्मान, अनुवादिका दीपा भास्ती भी सम्मानित

बेंगलुरु । कर्नाटक की मशहूर लेखिका और महिला अधिकार कार्यकर्ता बनू मुश्ताक को उनके कन्नड़ भाषा में लिखे लघुकथा संग्रह 'हार्ट् लेम्प' के लिए इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार 2025 से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें 20 मई की रात लंदन के टेट मॉडर्न में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया। यह पहली बार है जब किसी कन्नड़ भाषा की कृति और लघुकथाओं के संग्रह को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला है। साथ ही बनू मुश्ताक यह पुरस्कार पाने वाली दूसरी भारतीय लेखिका बन गई हैं। इस संग्रह का अंग्रेज़ी में अनुवाद करने वाली दीपा भास्ती को भी सम्मानित किया गया — वे इस पुरस्कार को प्राप्त करने वाली पहली भारतीय अनुवादक हैं।

महिलाओं की आवाज़ बनी 'हार्ट् लेम्प'

'हार्ट् लेम्प' में कुल 12 कहानियाँ शामिल हैं, जो दक्षिण भारत की महिलाओं की ज़िंदगी, संघर्ष, आत्मबल और सामाजिक अन्याय के खिलाफ प्रतिरोध को दर्शाती हैं। ये कहानियाँ पिछले तीन दशकों में लिखी गई थीं। बनू मुश्ताक का कहना है कि उन्हें इन कहानियों

की प्रेरणा अपने पास मदद के लिए आने वाली महिलाओं से मिली।

अनुवाद में कन्नड़ की आत्मा बरकरार

दीपा भास्ती ने अनुवाद के दौरान 'translating with an accent' की पद्धति अपनाई, जिससे कन्नड़, उर्दू और अरबी शब्दों की मूल भावना अनुवाद में बनी रही। उन्होंने अनुवाद के लिए उर्दू सीखी और सूफ़ी संगीतकारों को सुनकर कथाओं के भाव समझे। पुरस्कार समारोह में 'हार्ट् लेम्प' से अंश का पाठ अभिनेत्री अंबिका मोड ने किया और संगीत प्रस्तुति बेथ ऑर्टन ने दी।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यूट्यूब, इंस्टाग्राम और टिकटोक पर किया गया। निर्णायक मंडल के अध्यक्ष मैक्स पोर्टर ने कहा, "हार्ट् लेम्प अंग्रेज़ी पाठकों के लिए कुछ नया लेकर आती है।

यह महिलाओं के जीवन, जाति, शक्ति और अधिकारों पर गहरे सवाल उठाती है।"

कन्नड़ साहित्य की ऐतिहासिक जीत

-कन्नड़ भारत की प्रमुख भाषाओं में से एक है, जिसे करीब 6.5 करोड़ लोग बोलते हैं।

-यह पहली बार है जब किसी कन्नड़ पुस्तक को इंटरनेशनल बुकर मिला है।

-बनू मुश्ताक की रचनाएं पहले भी हिंदी, उर्दू, तमिल और मलयालम में अनूदित हो चुकी हैं।

महत्वपूर्ण बिंदु:

यह पुरस्कार दक्षिण भारतीय मुस्लिम महिला लेखन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान देता है। भारतीय अनुवादकों के योगदान को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली है।

'हार्ट् लेम्प' स्त्री अनुभवों, संघर्षों और उम्मीदों का सजीव चित्रण करती है।साहित्य की दुनिया में यह पुरस्कार एक नई दिशा की ओर संकेत करता है, जहां बहुभाषी भारत की विविध आवाज़ें अंतरराष्ट्रीय मंच पर गूंज रही हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए ड्रॉ प्रक्रिया पूरी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय की ओर से आयोजित की जा रही कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए यात्रियों का चयन आज एक कंप्यूटरीकृत ड्रॉ के माध्यम से किया गया। यात्रा का आयोजन जून से अगस्त तक किया जाएगा। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने आज ड्रॉ किया। मंत्रालय ने कहा कि चयन प्रक्रिया में निष्पक्षता और लैंगिक संतुलन को सुनिश्चित किया गया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार चयनित यात्रियों को उनके चयन की सूचना एसएमएस और ई-मेल के जरिए दी गई है। यात्री यात्रा की वेबसाइट (https://kmy.gov.in) पर जाकर अपने चयन की स्थिति देख सकते हैं। इसके अलावा हेल्पलाइन नंबर 011-23088133 पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस वर्ष 5561 आवेदकों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया। इनमें 4024 पुरुष और 1537 महिलाएं थीं। कुल 750 यात्रियों का चयन किया गया है। इनमें प्रति बैच 2 स्थानीय अधिकारी भी होंगे। यात्रा में 5 बैच 50 यात्रियों के साथ लिपुलेख मार्ग से और 10 बैच 50 यात्रियों के साथ नाथू ला मार्ग से यात्रा करेंगे। दोनों मार्ग अब पूरी तरह से मोटर योग्य हैं और इनमें बहुत कम ट्रैकिंग करनी होगी।

मार्ग और बैच के विवरण यात्रा की वेबसाइट पर उपलब्ध

मार्ग और बैच के विवरण यात्रा की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। मंत्री सिंह ने अपने संबोधन में यात्रा को अधिक सुलभ बनाने और प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए

सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यात्रियों से यात्रा को जिम्मेदारी, विनम्रता और सजगता के साथ करने की अपील की। उन्होंने पर्यावरण की पवित्रता को बनाए रखने का भी आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी के कारण 2020 में यात्रा रुक गई थी। इसके बाद जून 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन के बीच सैन्य तनाव के कारण यह पूरी तरह बंद हो गई। हाल में दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बातचीत और तनाव कम होने के बाद यात्रा को फिर से शुरू करने का फैसला लिया गया।

राजस्थान में लू का कहर, हीटवेव अलर्ट जारी

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। राज्य के कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से पार पहुंच गया है। मंगलवार को श्रीगंगानगर देश के सबसे गर्म स्थानों में शामिल रहा, जहां अधिकतम तापमान 46.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.6 डिग्री अधिक है। राज्य के अन्य हिस्सों में भी दिन और रात के तापमान में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। हालांकि उदयपुर संभाग के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश होने से लोगों को थोड़ी राहत जरूर मिली। सिरोही में न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम ही है।

सामान्य से अधिक गर्मी : मौसम विभाग के जयपुर केंद्र के अनुसार अजमेर, जयपुर, जोधपुर और बीकानेर संभागों में तापमान सामान्य से ऊपर रहा। जयपुर में यहविशेष रूप से सामान्य से अधिक दर्ज किया गया, जबकि कोटा और उदयपुर संभागों में तापमान सामान्य स्तर पर बना रहा। 24 घंटे में तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया। मंगलवार को गंगानगर के अलावा जिन शहरों में 45 डिग्री से ऊपर तापमान रहा, उनमें पिलानी में 45।9, बाड़मेर में 45।8, बीकानेर में 45।7, चूरू में 45।6, फलोदी और

लूणकरणसर में 45।2 डिग्री तापमान रहा। जयपुर में दिन का तापमान 43।8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा। राज्य के अन्य शहरों जैसलमेर (44।7), अलवर (44।1), कोटा (44), करौली और हनुमानगढ़ (43।6), चित्तौड़गढ़ (43।5), जोधपुर (43।2) और झुंझुनूं में (43।1) डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ लोग झुलसते रहे।

दिनभर चिलचिलाती धूप के बाद दोपहर बाद कुछ जिलों में तेज हवाओं और बारिश से राहत मिली। राज्य में बीते 24 घंटे में सर्वाधिक वर्षा बिजोलिया (जिला भीलवाड़ा) में 18।0 मिमी दर्ज की गई। साथ ही चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ में भी जोरदार बारिश हुई। वहीं, उदयपुर, झालावाड़, बारां और सिरोही में धूलभरी आंधी के साथ बादल छा गए। मौसम विभाग ने 24 मई तक कोटा और उदयपुर संभाग में मेघगर्जन और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है।

हीटवेव अलर्ट जारी : मौसम विभाग ने आज बुधवार को प्रदेश के 10 जिलों के लिए हीटवेव को लेकर ऑरेंज अलर्ट, जिनमें अलवर भरतपुर दौसा धौलपुर, झुंझुनू करौली बीकानेर चूरू हनुमानगढ़ और गंगानगर शामिल है। इसके अलावा 8 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, 16 जिलों में हल्की बारिश का पूर्वानुमान है। बीकानेर, जोधपुर, जयपुर और भरतपुर संभागों में 22-23 मई को तापमान 45 से 47 डिग्री तक पहुंच सकता है। इन इलाकों में तेज आंधी के साथ मौसम और भी खराब होने की संभावना जताई गई है।

20 जून को मानसून की दस्तक संभव :

मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून इस साल तय समय से पहले सक्रिय हो गया है। 20 मई को यह दक्षिण अरब सागर, उत्तरी मालदीव, कोमोरिन क्षेत्र, मध्य बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर तक पहुंच चुका है। अनुमान है कि मानसून 27 मई तक केरल में दस्तक दे देगा, जो सामान्य तिथि से करीब चार दिन पहले होगा। राजस्थान में आमतौर पर मानसून 25 जून के आसपास प्रवेश करता है, लेकिन इस बार इसके 20 जून तक बांसवाड़ा और झालावाड़ के रास्ते राज्य में पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 5 जुलाई तक मानसून पूरे प्रदेश में सक्रिय हो जाएगा।

गुजरात में कांग्रेस का अल्पसंख्यक संगठन होगा और अधिक मज़बूत

शब्बीर हुसैन

अहमदाबाद, (रॉयल पत्रिका)। बुधवार को इंजीनियर इंसाफ आज़ाद एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट एवं राष्ट्रीय संयोजक एवं सदस्य, अनुशासनात्मक समिति, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी नई दिल्ली एवं इंचार्ज – गुजरात के निजी सचिव ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग को ज़मीनी स्तर पर और अधिक प्रभावशाली व संगठित बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल की जा रही है। इस संबंध में इमरान प्रतापगढ़ी, सांसद राज्यसभा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अंतर्गत एक संगठित अभियान की शुरुआत की गई है । इस अभियान का उद्देश्य गुजरात राज्य में अल्पसंख्यक विभाग के संगठनात्मक ढांचे को जिला, संभाग, ब्लॉक, वार्ड तथा ग्राम स्तर तक मजबूती प्रदान करना है।

कांग्रेस पार्टी का यह संकल्प है कि प्रत्येक स्तर पर समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जाए और उनकी समस्याओं, अधिकारों एवं भागीदारी को प्राथमिकता के साथ संबोधित किया जाए।

यह रणनीति न केवल संगठनात्मक

विस्तार का माध्यम बनेगी, बल्कि कांग्रेस पार्टी के समावेशी दृष्टिकोण और सामाजिक न्याय की भावना को भी सुदृढ़ करेगी।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,